



विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल प्रीति पाल का कमाल, 200 के बाद 100 मीटर दौड़ ...

@ विचार मतभेद अनेक फिर भी भारत एक, यही है राष्ट्रीय एकता...

@ व्यापार शेयर बाजार में गिरावट, सेसेक्स 143 अंक टूटा...

आजादी के बाद पहली बार रावघाट पहुँची रेल

ताड़ोकी-रावघाट एवं अभनपुर-कुरुद ब्रॉडगेज रेल लाइन का हुआ उद्घाटन



संवाददाता ■ रायपुर
भारतीय रेल द्वारा छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार एवं यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण

कुरुद ब्रॉडगेज रेल लाइन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर रावघाट-रायपुर एवं रायपुर-कुरुद नई यात्री रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही, रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेंस फैसिलिटी का शिलान्यास भी किया गया।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुँचना दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इन परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल

सेवाओं से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में इन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। इस वर्ष



छत्तीसगढ़ को रेल बजट के अंतर्गत 7,000 करोड़ से अधिक की राशि कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं के विकास के प्रति केंद्र सरकार

की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन परियोजनाओं से राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा तथा औद्योगिक, व्यापारिक और सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ की जनता को इन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं एवं रावघाट-रायपुर तथा रायपुर-कुरुद नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अवसरचना का निरंतर विस्तार

किया जा रहा है। दल्लीराझूरा-रावघाट नई रेल लाइन, केंद्रीय अभनपुर-राजिम-धमतरी आमन परिवर्तन तथा विभिन्न मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए गए हैं। खरसिया-परमालकसा डबल लाइन परियोजना पर भी कार्य जारी है। हाल ही में पेंडारोड-बिलासपुर-उसलापुर तीसरी रेल लाइन को भी कैबिनेट की मंजूरी मिली है। इन परियोजनाओं से छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी, यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा तथा औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

राष्ट्रपति आज से छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज रायपुर स्थित लोक भवन में पूज्य माता हासी देवी के सम्मान में स्मारक सिक्का जारी करेंगी। इसी दिन वह रायपुर में नुआखाई पर्व के अवसर पर आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व' एवं 'युवा प्रबोधन' कार्यक्रम में शामिल होंगी।

23 अक्टूबर को राष्ट्रपति जगदलपुर में मुरिया दरबार में शामिल होंगी तथा बस्तर दशहरा के अवसर पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी।



राष्ट्रपति के छत्तीसगढ़ दौरे को चर्चे-चर्चे पर पुलिस के लेजर राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती को खंगालने के लिए रिहसल की गई, इस दौरान चारों दिशाओं में नाकेबंदी कर यातायात रोका गया।

इस दौरान वे बस्तर दशहरा की ऐतिहासिक परंपरा से जुड़े सिरहासार भवन में आयोजित मुरिया दरबार में शामिल होंगी।

राष्ट्रपति मुर्मू लालबाग मैदान में आयोजित आमसभा को भी संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू के प्रस्तावित प्रवास को लेकर जगदलपुर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

रायपुर के बिजनेसमैन की चंडीगढ़ में मिली लाश

संवाददाता ■ रायपुर
राजधानी रायपुर के बिजनेसमैन की लाश चंडीगढ़ के ताज होटल में मिली है। मृतक की पहचान दीपक मित्तल (56) के रूप में हुई है। दीपक राइस मिल के मालिक थे, मार्कफेड की बैठक में शामिल होने चंडीगढ़ गए थे। बुधवार सुबह लाश मिलने की सूचना पर थाना-17 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।



मिली जानकारी के अनुसार सुबह 6 बजे एक वेंटर रूम में पहुंचा तो गेट खुला था। उसने पाया कि बिजनेसमैन बेसुध होकर बेड पर लेटे

थे। उसने उठाने की कोशिश की, लेकिन वे होश में नहीं आए। उसने तुरंत होटल मैनेजर को बुलाया।

पुलिस ने शव को सेक्टर-16 स्थित सरकारी अस्पताल की मर्चुरी में रखवा दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी। पुलिस शुरुआती तौर पर नशे की ओवरडोज से मौत होने की आशंका जता रही है, हालांकि अभी मौत का कारण साफ नहीं है।

संजय ग्रेन प्रोडक्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर थे दीपक

दीपक कुमार मित्तल रायपुर की संजय ग्रेन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर थे।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामला: मुंबई पुलिस ने दो और आरोपियों को हरियाणा से किया गिरफ्तार



एजेंसी ■ मुंबई
बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ के घर के बाहर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने हरियाणा से दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस के अनुसार, इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों को आगे की पूछताछ और जांच के लिए मुंबई लाने की प्रक्रिया जारी है। इसके लिए स्थानीय अदालत में ट्रांजिट रिमांड की कार्रवाई की जा रही है।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपियों की फायरिंग की साजिश में क्या भूमिका थी और उन्हें किस तरह की मदद उपलब्ध कराई गई थी।

इससे पहले मामले की जांच के लिए मुंबई पुलिस को तीन टीमों हरियाणा के सोनीपत पहुंची थीं, जहां कई स्थानों पर छापेमारी की गई। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों की पहचान की और कार्रवाई को आगे बढ़ाया। 18 अक्टूबर को मुंबई के

जुहू इलाके में टाइगर श्रॉफ की कार पर बाइक सवार हमलावरों ने फायरिंग की थी। घटना में अभिनेता सुरक्षित रहे, लेकिन उनके चालक फिरदौस के बाएं हाथ में गोली लग गई थी। वारदात के बाद मुंबई पुलिस ने कई विशेष टीमों गठित कर जांच शुरू की और इलाके के सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य तकनीकी साक्ष्यों को खंगाला।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि वारदात में शामिल आरोपी मुंबई छोड़कर दूसरे राज्यों की ओर भाग गए थे। इसी क्रम में 19 अक्टूबर को राजस्थान के कोटा में पुणे-जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन से तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था। इनमें हरियाणा के सोनीपत निवासी रेहान और फूल सिंह के अलावा बिहार के बेगूसराय निवासी ऋतिक कुमार उर्फ रोशन शामिल थे। फायरिंग के बाद आरोपी मुंबई से सूरत पहुंचे और वहां से ट्रेन के जरिए उत्तर भारत की ओर रवाना हुए थे।

अब दो और गिरफ्तारियों के बाद जांच का दायरा और व्यापक हो गया है।

सौरव दास और आशुतोष रांका पर हाईकोर्ट की टिप्पणी- 'आप जेन-जी नहीं', सीजेपी नेताओं ने वापस ली याचिका

एजेंसी ■ नई दिल्ली

'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका ने न्यायिक हिरासत के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका को बुधवार को वापस ले लिया। विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएस) की कोर्ट ने उन्हें 21 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था, जिसके खिलाफ सौरभ और आशुतोष दिल्ली हाईकोर्ट गए थे।

दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को सुनवाई के दौरान सौरभ दास और आशुतोष रांका की उम्र का जिक्र हुआ। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने बताया कि सौरव दास 27 साल और आशुतोष रांका 31 साल के हैं। इसके बाद हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'तो ये



जेन-जी नहीं हैं।' जज ने यह भी पूछा कि 'मिलेनियम्स' और 'जेन-जी' की उम्र का दायरा क्या है?

सौरभ दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत से जुड़ी याचिका पर हाईकोर्ट ने कहा कि जब शांति भंग होने की आशंका

सभी सवाल महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

कोर्ट ने कहा कि पहले यह छात्रों का प्रदर्शन था, जिसमें बच्चे और छात्र शामिल थे। अब प्रदर्शन का मुद्दा बदल गया है। लोग वही हैं, लेकिन उनकी मांग और प्रदर्शन का उद्देश्य बदल गया है। इसलिए यह सवाल भी अहम हो जाता है कि आप असल में कौन हैं और आपकी पहचान क्या है? आपका संगठन क्या है? उसका असली मकसद क्या है? कोर्ट ने आगे कहा कि जब शांति भंग होने की आशंका हो, तो इन सभी सवालों का महत्व बढ़ जाता है।

हाईकोर्ट ने कहा कि अगर किसी ग्रुप के लोग बार-बार अलग-अलग मुद्दों को लेकर प्रदर्शन करते हैं, तो यह सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है कि उनके प्रदर्शन का उद्देश्य क्या है।

बस्तर दशहरा मावली परघाव देखने पहुंचे विदेशी मेहमान

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

बस्तर दशहरे की खास रस्म मावली परघाव मंगलवार देर शाम हुई। इस दौरान मां दैतेश्वरी के छत्र और मां मावली की डोली का बस्तर राजपरिवार के सदस्य कमलचंद्र भंडेदेव समेत हजारों श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। राजपरिवार ने फूलों का ताज पहनकर 618 साल पुरानी परंपरा निभाई।

माता के स्वागत के लिए सड़कों पर फूल बिछाए गए। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर माता का स्वागत किया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी भी हुई। माता की डोली और छत्र के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। घरों की छतों पर भी बड़ी संख्या में लोग माता के स्वागत और दर्शन के लिए मौजूद रहे।

दैतेवाड़ा जिले के कलेक्टर और एसपी भी माता की डोली और छत्र के साथ जगदलपुर पहुंचे। यहां राजपरिवार के सदस्यों, कलेक्टर, एसपी और प्रशासनिक अधिकारियों ने परंपरा के अनुसार माता का स्वागत किया।

कांटाबंद पहनकर माता की आराधना करने पहुंचे कमलचंद्र भंडेदेव
बस्तर राजपरिवार के सदस्य कमलचंद्र



भंडेदेव ने बताया कि बस्तर के राजा मावली परघाव की रस्म के दौरान कांटाबंद पहनकर माता की आराधना करते थे। कांटाबंद फूलों से बना एक खास ताज है, जिसे राजा फिर पर पहनते हैं। उन्होंने कहा कि वे भी इस परंपरा को निभा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कांटाबंद में इस्तेमाल होने वाला फूल बस्तर के जंगलों में मिलता है। इसकी अपनी अलग खासियत है। परंपरा के अनुसार, कांटाबंद पहनकर उन्होंने मां

दैतेश्वरी के छत्र और मां मावली की डोली को प्रणाम किया। इसके बाद डोली को कंधे पर उठाकर राजमहल लाया गया।

कमलचंद्र भंडेदेव ने बताया कि मां दैतेश्वरी और मां मावली बस्तर राजपरिवार की कुल देवी हैं। दोनों देवियां सदियों से बस्तर दशहरे में शामिल होने आती रही हैं। दशहरे में शामिल होने के बाद माता की विदाई होने तक वे राजमहल परिसर में ही विराजमान रहेंगी।

ओडिशा के भक्त बोले- पहली बार किए माता के दर्शन

बस्तर दशहरे की मावली परघाव रस्म देखने के लिए बस्तर आए हैं। यहां के लोगों का सरल और सहज व्यवहार उन्हें काफी पसंद आया। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरे की रस्में अनूठी हैं और यहां की परंपराएं दूसरी जगहों से अलग हैं। इस आयोजन के जरिए उन्हें बस्तर की संस्कृति, धार्मिक आस्था और पुरानी परंपराओं को करीब से जानने का मौका मिला।

दैतेवाड़ा जाकर दिया था बस्तर दशहरे का निमंत्रण
बस्तर दशहरे की परंपरा के अनुसार, राजपरिवार के सदस्य कमलचंद्र भंडेदेव शहीद नवरात्र की पंचमी पर दैतेवाड़ा पहुंचे थे।

जियो के आईपीओ को निवेशकों का जबरदस्त समर्थन



संवाददाता ■ रायपुर
रिलायंस इंडस्ट्रीज के अरबपति चैयरमैन मुकेश अंबानी की कंपनी जियो प्लेटफॉर्मस के 3.2 अरब

डॉलर (करीब 728,000 करोड़) के आईपीओ को बुधवार दोपहर तक उपलब्ध शेयरों की तुलना में दोगुने से अधिक बोलियां मिल

चुकी थीं। सार्वजनिक बोली शुरू होने के महज दो घंटे के भीतर ही यह आईपीओ पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था। दो दशक बाद अंबानी की रिलायंस की ओर से आ रही इस पहली शेयर बिक्री को लेकर निवेशकों में भारी उत्साह देखा गया।

मेटा, अल्फाबेट की गुगल और संस्थागत निवेशकों के समर्थन वाली जियो प्लेटफॉर्मस भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी का संचालन करती है। इसके 50 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। एक ही देश में ग्राहकों की संख्या के लिहाज से जियो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है। इस मामले में चीन पहले स्थान पर है।

मृत्यु आतिशबाजी के साथ बीरगांव में 81 फीट के रावण का दहन

विश्व केसरी■
रायपुर। बीरगांव दशहरा उत्सव समिति द्वारा आडवाणी स्कूल दशहरा मैदान में आयोजित भव्य विजयादशमी उत्सव इस वर्ष बेहद ऐतिहासिक और यादगार रहा। अपने गौरवशाली सफर के 21वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी समिति के इस भव्य आयोजन को देखने के लिए क्षेत्र के लगभग 25 हजार से अधिक परिवारों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू थे। पूरा आयोजन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (किसान मोर्चा) डॉ. ओमप्रकाश देवांगन के कुशल संरक्षण तथा समिति के अध्यक्ष व पार्षद बेदराम साहू की अध्यक्षता में पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

बुराई पर हमेशा भारी पड़ती है अच्छाई की शक्ति
कार्यक्रम में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व विधायक मोतीलाल साहू ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा, ‘विजयादशमी का यह पावन पर्व हमें याद दिलाता है कि अहंकार, अन्याय और अधर्म चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो जाए, उसका अंत निश्चित है। भगवान राम का जीवन हमें मर्यादा, धैर्य और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। बीरगांव की यह पावन धरा आज एकता और भक्ति के अनूठे रंग में रंगी हुई है। 21 वर्षों से इस गौरवशाली परंपरा को जीवित रखने के लिए डॉ. ओमप्रकाश देवांगन, अध्यक्ष बेदराम साहू और समिति की पूरी टीम बधाई की



पात्र है, जिन्होंने क्षेत्र की जनता को एक सूत्र में पिरोने का यह ऐतिहासिक कार्य किया है।’
असत्य पर सत्य की जीत का संदेश: डॉ. ओमप्रकाश देवांगन
दशहरा उत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. ओमप्रकाश देवांगन ने कहा, ‘यह दशहरा उत्सव अब सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि बीरगांव की एकता, अटूट संस्कृति और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक बन चुका है। बीरगांव की जनता को दशहरा / दीपावली की बधाई और धन्यवाद करते हुवे कहा कि पिछले 21 वर्षों से लगातार हो रहा यह आयोजन हमारी आने वाली पीढ़ी को संदेश देता है कि हमें अपने भीतर छिपे हुवे समस्त बुराईयों को समाप्त करना है, चाहे वो दोस्त हो या दुश्मन

, गरीब हो या अमीर, कोई भी हो लेकिन जरूरतमंद हर एक लोगो की हरसंभव मदद करनी चाहिए, समाज में असत्य चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, जीत हमेशा सत्य और धर्म की ही होती है।’
समिति के संरक्षक एवज देवांगन ने भव्य आयोजन के लिए समिति के सदस्यों और क्षेत्रीय विधायक का तारीफ करते हुवे कहा कि इस वर्ष बीरगांव के दशहरा उत्सव का मुख्य आकर्षण 81 फीट ऊंचा गगनचुंबी रावण के पुरले का दहन किया गया, मैदान रंग-बिरंगी और आकर्षक आतिशबाजी से गुंज उठा। सतरंगी रोशनी ने पूरे आसमान को सारबोर कर दिया। आतिशबाजी के दौरान विशेष रूप से तैयार की गई ‘सांप और नेवले की विकराल लड़ाई’ के जीवंत



आतिशबाजी दृश्य ने दर्शकों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। यह रोमांचक नजारा देखने लायक था।
समिति के अध्यक्ष बेदराम साहू ने रिकॉर्ड भीड़ की सुरक्षा पर बात करते हुए बताया कि 25 हजार से अधिक परिवारों की भारी मौजूदगी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, बैठक व्यवस्था और सुचारु यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से संपन्न हुआ।

वरिष्ठ नेताओं और प्रबुद्ध जनों की रही गरिमामयी उपस्थिति
इस ऐतिहासिक पल के गवाह बनने के लिए विशेष अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवज देवांगन, भीखम देवांगन, पार्षद राजेश

देवांगन, पार्षद डॉ. मनमोहन मनहरे, एन.के.डी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. वेदप्रकाश देवांगन, टंकेश देवांगन, पदमा चंद्राकर, फूलमणी सोनवानी, सुनीता वर्मा, कविता वर्मा, डेविड साहू, डा संतोष साहू, नन्हु दीवान, योगेन्द्र वर्मा, चिता वर्मा, डा जांगड़े अश्वनी चांदे पार्षद, रामअवतार देवांगन, सीताराम सिदार , नरसिंग निषाद, जितेन्द्र यादव, महालेश्वर महादेव मंदिर समिति के डॉ. हरीश मेहर, करनसिंह, रिकू सिंह, मन्नु जी, व्यापारी संघ के रमाशंकर देवांगन, नारायण सेन, राकेश सिन्हा और राकेश मिश्रा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

टीम वर्क ने बनाया आयोजन को सफल
इतने बड़े आयोजन को सफल बनाने में

समिति के वॉलंटियर्स और प्रभारियों ने अपनी जान लगा दी। मंच का शानदार संचालन ओमप्रकाश साहू ने किया। अतिथियों के स्वागत सत्कार की कमान डोमेश देवांगन, जीवन साहू, शेखुराम साहू, रामपाल साहू, कल्पना पाटिल, विमला साहू, राधिका साहू, प्रतिमा साहू और शीतला साहू, नीतू उर्डेके ने संभाली।

सांस्कृतिक व रामलीला कलाकारों की देखरेख भागवत साहू , नानक चन्द साहू ने की। सोशल मीडिया पर पल-पल की अपडेट युवा टीम के विकास दुबे, पुलकित साहू, ओमप्रकाश साहू और संजू वर्मा ने पहुंचाई। रोमांचक आतिशबाजी का पूरा तालमेल अशोक मौर्या, संजु छत्तीसगढ़िया, कैलाश उर्डेके, विजय सरकार और सुनील वर्मा ने संभाला।

मैट्स यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन जूडो और कुश्ती विलनिक का सफल आयोजन

विश्व केसरी■
रायपुर। रायपुर में स्थित MATS यूनिवर्सिटी के MATS स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन में जूडो और कुश्ती क्लिनिक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
इस सत्र का संचालन राष्ट्रीय स्तर की जूडो और कुश्ती एथलीट, अंतरा सारथी ने किया। उन्होंने जूडो और कुश्ती, दोनों खेलों में बुनियादी सिद्धांतों से लेकर उन्नत कौशल (एडवॉन्स स्किल्स) तक कई तरह की तकनीकों का प्रदर्शन किया।
उन्होंने पाठ्यक्रम में शामिल तकनीकों के बारे में विस्तृत व्यावहारिक निर्देश दिए, जिससे छात्रों को महत्वपूर्ण व्यावहारिक अनुभव मिला और वे जूडो तथा कुश्ती के तकनीकी पहलुओं को बेहतर ढंग से समझ सके। छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें



भाग लिया, सीखने में गहरी रुचि दिखाई और विशेषज्ञ मार्गदर्शन तथा व्यावहारिक प्रदर्शनों से काफी लाभ उठाया।
यह क्लिनिक सीखने का एक बेहतरीन अनुभव साबित हुआ, जिसने छात्रों के तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और समग्र खेल विकास में योगदान दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति गजराज पामारिया जी, माननीय कुलपति प्रोफेसर डॉ. के. पी. यादव, महानिदेशक प्रियेश पामारिया जी, कुलसचिव गोकुलानंद पांडा तथा विभागाध्यक्ष डॉ मिथिलेश जी सह अध्यापक प्रतुत है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में सजेगा छत्तीसगढ़ का भव्य पवेलियन 14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होगा 45 वां इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर

विश्व केसरी■
रायपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आगामी 14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले 45 वें ‘भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले’ में छत्तीसगढ़ की भागीदारी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई।
बैठक में मुख्य सचिव ने व्यापार मेले के दौरान छत्तीसगढ़ पवेलियन के निर्माण, सुरक्षा, ब्रांडिंग और अन्य व्यवस्थाओं को समय-सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस वर्ष इस प्रतिष्ठित मेले की थीम ‘विकास और विरासत’ रखी गई है, जो देश की आधुनिक प्रगति



और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के सुंदर तालमेल को प्रदर्शित करती है।
इन प्रमुख बिंदुओं पर रहेगा विशेष फोकस
हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को मंच मुख्य सचिव ने कहा कि यह व्यापार मेला छत्तीसगढ़ की हस्तशिल्पियों, स्व-सहायता समूहों और

उद्यमियों के लिए अपनी कला और उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का एक बड़ा मंच है।
मुख्य सचिव ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन में कृषि, मिलेट और वनोपज का प्रदर्शन कृषि एवं किसान कल्याण तथा उद्योगिकी विभाग को छत्तीसगढ़ के प्रमुख मिलेट

विश्व केसरी■

रायपुर। क्विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में हमारे शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शहर केवल आवास और नागरिक सुविधाओं के केंद्र नहीं हैं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, उद्योग, व्यापार, रोजगार और नवाचार के प्रमुख आधार भी हैं। इसलिए छत्तीसगढ़ के शहरों का विकास वर्तमान आवश्यकताओं तक सीमित न रहकर आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित, समावेशी, टिकाऊ और आर्थिक रूप से सक्षम होना चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) और छत्तीसगढ़ शासन के



नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्बन चैलेंज फंड (UCF) एवं अर्बन इन्वेस्ट, विंडो (UiWIN) विषयक प्रथम क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभाभं कर संबोधित करते हुए यह बात कही।
मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शहरी

विकास को नई सोच और नई गति मिली है। अर्बन चैलेंज फंड जैसे अभिनव प्रयास शहरों को आधुनिक, सुविधासंपन्न आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का बड़ा अवसर हैं। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए ऐसी गुणवत्तापूर्ण परियोजनाएं तैयार करनी

होंगी, जो नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के साथ शहरों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें।
नगरीय विकास को मजबूती देने दो महत्वपूर्ण एमओयू

कार्यशाला के दौरान प्रदेश के नगरीय विकास, वित्तीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और नगरीय निकायों की तकनीकी एवं संस्थागत क्षमता को मजबूत करने की दिशा में दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।
पहला एमओयू हुडको और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के बीच तथा दूसरा एमओयू नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सेट विश्वविद्यालय के बीच संपन्न हुआ।

शालू जिन्दल ‘सीएसआर पर्सन ऑफ द ईयर’ अवॉर्ड से सम्मानित

विश्व केसरी■

रायपुर। जिन्दल फाउंडेशन की चेयरपर्सन शालू जिन्दल को नई दिल्ली में आयोजित 19वें इंडिया सीएसआर लीडरशिप समिट एंड अवॉर्ड्स 2026 में ‘सीएसआर पर्सन ऑफ द ईयर’ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।
महिलाओं के स्वास्थ्य, मातृत्व देखभाल, पोषण और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियों को देखते हुए जिन्दल को यह सम्मान प्रदान किया गया है। उनके नेतृत्व में जिन्दल फाउंडेशन की प्रमुख पहल HerKadam अब तक 2,300 से अधिक का र्वचित गांवों तक पहुंच चुकी है। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं, बेहतर पोषण, सुरक्षित मातृत्व



और आर्थिक अवसरों से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा एनीमिया की जांच, उपचार और परामर्श के माध्यम से 9 लाख से अधिक किशोरियों को सहायता दी गई

है। इसके अलावा 8.9 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं और हाल ही में मां बनी महिलाओं को प्रसव से पहले और बाद में जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस पहल के तहत गंभीर कुपोषण से प्रभावित जिन बच्चों की पहचान की गई, उनमें से 90 प्रतिशत से अधिक बच्चों को स्वस्थ पोषण स्तर की ओर बढ़ते में मदद मिली है। कुल मिलाकर, इस पहल के माध्यम से अब तक 1.2 करोड़ से अधिक बार स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सहायता उपलब्ध कराई गई है।

इस वर्ष समिट का विषय था— ‘सीएसआर के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा: सामाजिक प्रभाव का दायरा बढ़ाने के लिए एजेंडारें, तकनीक, पूंजी और साझेदारी को एक साथ लाना।’

<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं- ३) ... संकर नगर पानी रेली के नीचे, रायपुर ... Email ID - rmczone6@gmail.com</div> <div>पत्र क्रं /.....36410...../ न. पा. नि. जौन क्रं 6/2026</div> <div>रायपुर, दिनांक 16-10-2026</div> <div>इशतिहार</div> <div>नामांतरण प्र.क्र. 36410</div> <div>वाई का नाम 59- मोरेश्वर रात गेडे वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 59 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651C00164 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती, Surendra Kumar Naidu पिता/पति श्री/श्रीमती N. Shesh Rao naidu के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. LAXMI NAIDU 2. NEHA NAIDU 3. GAURAV NAIDU पिता / पति श्री/श्रीमती SURENDRA NAIDU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / DEATH CERTIFICATE AND B 1 / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ‘ (जौन कमिश्नर) जौन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>
--

<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं- ६) ... संकर नगर पानी रेली के नीचे, रायपुर ... Email ID - rmczone6@gmail.com</div> <div>पत्र क्रं /.....36424../ न. पा. नि. जौन क्रं 6/2026</div> <div>रायपुर, दिनांक 16-10-2026</div> <div>इशतिहार</div> <div>नामांतरण प्र.क्र. 36424</div> <div>वाई का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663C00427 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MUMTAZ BEGUM पिता/पति श्री श्रीमती GULAM RASOOL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती ANJU DEVI GOSWAMI पिता /पति श्री/श्रीमती W/O KISUN GOSWAMI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ‘ (जौन कमिश्नर) जौन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>
--

<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं- 7) ... संकर नगर पानी रेली के नीचे, रायपुर ... Email ID - rmczone7@gmail.com</div> <div>पत्र क्रं /.....36468../ न. पा. नि. जौन क्रं 7/2026</div> <div>रायपुर, दिनांक 21-10-2026</div> <div>इशतिहार</div> <div>नामांतरण प्र.क्र. 36468</div> <div>वाई का नाम 22- पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 22 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR814B00193 जो ज की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती NAZUL NIR-MALA SHARMA पिता/पति श्री श्रीमती SHYAMJI SHARMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती अंजनी शर्मा पिता /पति श्री श्रीमती दिनेश शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ‘ (जौन कमिश्नर) जौन (7) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>
--

<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं- ३) ... संकर नगर पानी रेली के नीचे, रायपुर ... Email ID - rmczone3@gmail.com</div> <div>पत्र क्रं /.....36340...../ न. पा. नि. जौन क्रं 3/2026</div> <div>रायपुर, दिनांक 21-10-2026</div> <div>इशतिहार</div> <div>नामांतरण प्र.क्र. 36340</div> <div>वाई का नाम 12- कालिमाता वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RPR2229A00112 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती NEMLAL SONI पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती यादव राम सोनी पिता / पति श्री श्रीमती स्व. श्री नेम लाल सोनी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SAHMATI PATRA SHAPATH PATRA MRITU PRAMAN PATRA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ‘ श्रीमती प्रीति सिंह (जौन कमिश्नर) जौन (3) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>
--

<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं- ३) ... संकर नगर पानी रेली के नीचे, रायपुर ... Email ID - rmczone3@gmail.com</div> <div>पत्र क्रं /.....36300...../ न. पा. नि. जौन क्रं 3/2026</div> <div>रायपुर, दिनांक 21-10-2026</div> <div>इशतिहार</div> <div>नामांतरण प्र.क्र. 36300</div> <div>वाई का नाम 48- गुरु धासीदास वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 48 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RPR344C00333 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती BALMATI JAGAT पिता / पति श्री श्रीमती DEVENDRA JAGAT के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्रीमती शमीम अख्तर पिता / पति श्री श्रीमती श्री नूर अख्तर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / malma bikri nama, shapathpatra, aadhar card / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ‘ श्रीमती प्रीति सिंह (जौन कमिश्नर) जौन (3) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>
--

<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं- ३) ... संकर नगर पानी रेली के नीचे, रायपुर ... Email ID - rmczone3@gmail.com</div> <div>पत्र क्रं /.....36294...../ न. पा. नि. जौन क्रं 3/2026</div> <div>रायपुर, दिनांक 21-10-2026</div> <div>इशतिहार</div> <div>नामांतरण प्र.क्र. 36294</div> <div>वाई का नाम 30 शंकर नगर वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 30 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RPR331C00026 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती JAWAHAR LAL BADHAUT पिता/पति श्री/श्रीमती MOTILAL BADHAUT के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती सचिन बचौत पिता / पति श्री श्रीमती स्व. जवाहर बचौत ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ‘ श्रीमती प्रीति सिंह (जौन कमिश्नर) जौन (3) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>
--

<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं- ३) ... संकर नगर पानी रेली के नीचे, रायपुर ... Email ID - rmczone3@gmail.com</div> <div>पत्र क्रं /.....36447...../ न. पा. नि. जौन क्रं 3/2026</div> <div>रायपुर, दिनांक 21-10-2026</div> <div>इशतिहार</div> <div>नामांतरण प्र.क्र. 36447</div> <div>वाई का नाम 31-नेताजी सुभाषचंद्र बोस वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RPR22900020294 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SURINDER KAUR W/O A.K. MINHAS पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती कमल कुमार बदलानी पिता/पति श्री श्रीमती श्री अशोक कुमार बदलानी पिता/पति श्री श्रीमती श्री अशोक कुमार बदलानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं होगा। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ‘ श्रीमती प्रीति सिंह (जौन कमिश्नर) जौन (3) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>
--

<div><div><div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div><div><div><div></div></div></div></div></div></div> <div>कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं- ३) ... संकर नगर पानी रेली के नीचे, रायपुर ... Email ID - rmczone3@gmail.com</div> <div>पत्र क्रं /.....36342...../ न. पा. नि. जौन क्रं 3/2026</div> <div>रायपुर, दिनांक 21-10-2026</div> <div>इशतिहार</div> <div>नामांतरण प्र.क्र. 36342</div> <div>वाई का नाम 31-नेताजी सुभाषचंद्र बोस वाई एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी RPR229C00313 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MRS. MAMTA BADLANI पिता / पति श्री श्रीमती ASHOK KUMAR BADLANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती कमल कुमार बदलानी पिता/पति श्री श्रीमती श्री अशोक कुमार बदलानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं होगा। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ‘ श्रीमती प्रीति सिंह (जौन कमिश्नर) जौन (3) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)</div>

नौ दिनों की भक्ति के बाद माता को दी विदाई, बाजा-गाजा और सेवा गीतों पर झूम उठा छुरा

शीतला मंदिर से निकली भव्य जवारा विसर्जन यात्रा, माता के जयकारों से गुंजा नगर

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह निषाद)। नौ दिनों तक माता की आराधना, सेवा गीतों की गूंज और भक्तों की अटूट आस्था से सराबोर रहा छुरा नगर मंगलवार को जवारा विसर्जन के अवसर पर एक बार फिर भक्तिमय रंग में रंग गया। नगर के शीतला मंदिर में नवरात्र पर्व के दौरान नौ दिनों तक चली पूजा-अर्चना और सेवा के समापन पर श्रद्धालु बाजा-गाजा, पारंपरिक सेवा गीतों और माता के जयकारों के बीच जवारा विसर्जन के लिए निकले। भक्ति और उत्साह से भरी इस यात्रा में नगरवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कोई सेवा गीतों की धुन पर झुमता नजर आया, तो कोई माता के जयकारे लगाते हुए अपनी श्रद्धा प्रकट करता रहा। पूरे वातावरण में माता की भक्ति और आस्था की अमूठी छटा देखने को मिली। अंत में राजा तालाब में विधि-विधान के साथ जवारों का विसर्जन किया गया।



नौ दिनों तक शीतला मंदिर में होती रही माता की आराधना
छुरा नगर के शीतला मंदिर में नवरात्र पर्व के दौरान नौ दिनों तक माता की पूजा-अर्चना और सेवा का सिलसिला श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ चलता रहा। नवरात्र के प्रारंभ से ही मंदिर में माता के दर्शन, पूजा-पाठ और सेवा को लेकर भक्तों में उत्साह बना हुआ था। श्रद्धालुओं ने पूरे नौ दिनों तक माता

को निभाने और सामूहिक रूप से भक्ति में लीन होने का अवसर भी बना। प्रतिदिन माता की सेवा में जुटे श्रद्धालुओं के लिए जवारा विसर्जन का दिन विशेष महत्व रखता है। इसी परंपरा के तहत मंगलवार को शीतला मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद जवारा विसर्जन की तैयारी की गई और श्रद्धालु माता के जयकारों के साथ यात्रा में शामिल हुए।
बाजा-गाजा की धुन पर झूमते रहे नगरवासी
जवारा विसर्जन यात्रा में बाजा-गाजा और पारंपरिक सेवा गीतों ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। सेवा गीतों की धुन सुनते ही श्रद्धालु भक्ति के रंग में रंगे नजर आए। माता के जयकारों के बीच यात्रा आगे बढ़ती रही और नगर में धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं के चेहरे पर आस्था, उत्साह और माता के प्रति समर्पण का भाव साफ झलक रहा था।
जवारा विसर्जन के दौरान सेवा गीतों की परंपरा ने धार्मिक

विजयादशमी सत्य और धर्म की विजय का पर्व : मुख्यमंत्री साय

अपने भीतर की बुराइयों पर विजय पाकर प्रेम और सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सारंगढ़ –बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत बिलाईगढ़ के रैनीभाटा में आयोजित ऐतिहासिक राजशाही दशहरा उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए बिलाईगढ़ के विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने बिलाईगढ़ में अपर कलेक्टर कार्यालय खोलने, बस स्टैंड से हायर सेकेंडरी स्कूल तक तीन करोड़ रुपए की लागत से गौरव पथ निर्माण, राजमहल जाने वाले मार्ग पर पुल निर्माण, नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 15 में मुक्तिधाम तथा मां समलाई माता मंदिर के समीप डोम शेड निर्माण की घोषणा की।
मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इन विकास कार्यों से बिलाईगढ़ में प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ नगरीय अधोसंरचना और जनसुविधाएं सुदृढ़ होंगी। अपर कलेक्टर कार्यालय खुलने से क्षेत्रवासियों को अपने प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर समस्याओं के त्वरित निराकरण में सुविधा होगी।



तीन करोड़ रुपए की लागत से बने वाला गौरव पथ नगर की सुंदरता बढ़ाने के साथ आवागमन को बेहतर बनाएगा। इसी तरह राजमहल मार्ग पर पुल, मुक्तिधाम और डोम शेड का निर्माण स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण होगा।
मुख्यमंत्री साय ने भगवान श्रीराम, माता सीता, पवनपुत्र हनुमान, मां जगदंबा, भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बिलाईगढ़ का ऐतिहासिक राजशाही दशहरा केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता की जीवंत अभिव्यक्ति है। राजपरिवार ने पीढ़ियों से इस गौरवशाली परंपरा को सहेजकर रखा है और आज भी

सात रेत खदानों की लीज बढ़ाने पर धनेन्द्र साहू ने उठाए सवाल, बोले- नीलामी क्यों नहीं?

विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री, विधायक एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने रायपुर जिले की सात रेत खदानों की लीज अवधि तीन वर्ष बढ़ाए जाने और पुराने ठेकेदारों को ही उत्खनन की अनुमति दिए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने राज्य सरकार की खनिज नीति, प्रशासनिक पारदर्शिता और शासन को होने वाली संभावित राजस्व हानि को लेकर चिंता जताते हुए पूछा है कि अनुबंध अवधि समाप्त होने के बाद नियमानुसार नई नीलामी कराने के बजाय पुराने ठेकेदारों को ही दोबारा अवसर क्यों दिया गया ?
दूसरी बार लीज विस्तार,

निर्णय का आधार सार्वजनिक करने की मांग - धनेन्द्र साहू ने कहा कि रायपुर जिले की कुरुद, लखना, कुम्हारी, परागांव, हरदीडीह, चिकली ए और चिकली बी सहित सात रेत खदानों की लीज अवधि बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि पिछले लगभग दो वर्षों में दूसरी बार लीज अवधि बढ़ाई गई है। ऐसे में सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इस निर्णय के पीछे क्या कानूनी आधार और परिस्थितियां थीं। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक नीलामी से अधिक बोलीदाताओं को अवसर



मिल सकता है और शासन के राजस्व में वृद्धि की संभावना रहती है। इसलिए लीज विस्तार की प्रक्रिया और उसके औचित्य का विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए।
पुराने ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के आरोप की निष्पक्ष जांच हो - पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि पुराने ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किए जाने की बात भी सामने आ रही है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उनका कहना है कि कलेक्टर और खनिज विभाग को लीज अवधि बढ़ाने के आदेश, उसके कानूनी आधार तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार के पक्षपात की आशंका दूर हो सके।
पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी पर भी जताई चिंता - धनेन्द्र साहू ने रेत खदानों में पर्यावरणीय नियमों के पालन को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ खदानों में पूर्व में पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने और नियम विरुद्ध उत्खनन के मामलों में कार्रवाई किए जाने की जानकारी सामने आई है।

पं.चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में होगा राज्योत्सव का आयोजन

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 2 नवम्बर 2026 को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित पण्डित चक्रपाणी शुक्ल स्वाामीनन्द शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान में होगा। इस बार राज्योत्सव 'सशक्त नारी, युवा उद्धान' थीम पर आधारित होगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर भव्य एवं गरिमामय आयोजन हेतु जरूरी निर्देश व तैयारी हेतु विभागवार जिम्मेदारी सौंपी।
कलेक्टर शर्मा ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार राज्योत्सव के अवसर पर 1 से 3 नवम्बर तक सभी शासकीय भवनों में रोशनी की जाए। इसके साथ ही निजी संस्थानों एवं भवनों में रोशनी के लिए सम्बंधितों को प्रोत्साहित किया जाएगा। जिला स्तरीय राज्योत्सव के दौरान विभागीय योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया जाएगा। उन्होंने मुख्य मंच निर्माण, विभागीय स्टॉल निर्माण, बैठक व्यवस्था, साउंड सिस्टम, क्राउन व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, वाहन पार्किंग, पेयजल, साफ –सफाई, सुरक्षा एवं मेडिकल, फूड जोन, मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के लिये विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए बेहतर आयोजन के निर्देश दिये।
कलाकारों व स्कूली छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति- कलेक्टर शर्मा ने कहा कि राज्योत्सव में प्रसिद्ध कलाकारों के साथ ही स्कूली छात्र- छात्राओं के



द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। उन्होंने कलाकारों का चयन एवं आने जाने व उहसने की आवश्यक व्यवस्था के लिये टीम गठित करने कहा। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम मे छत्तीसगढी संस्कृतिक के साथ ही शासन की योजनाओं और उललब्धियों पर आधारित जनजागरूकता को भी शामिल करने कहा।

शहीद आरक्षक हीरालाल गायकवाड को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। राष्ट्र की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर पुलिस शहीदों के सम्मान में आज दिनांक 21.10.2026 को 'पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में पुलिस चौकी करहीबाजार के स्टाफ एवं अधिकारियों द्वारा शहीद आरक्षक हीरालाल गायकवाड को बलौदाबाजार-भाटायारा पुलिस परिवार की ओर सेदद नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
पैतृक ग्राम लच्छनपुर में शहीद स्मारक पर दी गई श्रद्धांजलि: पुलिस स्मृति दिवस के इस पवित्र अवसर पर पुलिस चौकी करहीबाजार



की एक टीम शहीद आरक्षक हीरालाल गायकवाड के पैतृक ग्राम लच्छनपुर पहुंची। वहां पुलिस टीम ने शहीद की स्मृति में बने शहीद स्मारक पर पहुंचकर पुष्प अर्पित किए।

गांव-गांव में गुंजे जय श्रीराम के जयकारे देर रात तक रामलीला का मंचन

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह निषाद)। असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व मंगलवार को छुरा अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे उत्साह, उमंग और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। छुरा नगर सहित आसपास के गांवों में दशहरा पर्व की रौनक देखते ही बनी। गांव-गांव में रामलीला के मंचन, भगवान श्रीराम के जयकारों, आकर्षक आतिशबाजी और रावण दहन के आयोजनों ने पूरे ग्रामीण अंचल को उत्सवी रंग में रंग दिया। शाम ढलते ही गांवों के आयोजन स्थलों पर लोगों का जुटना शुरू हो गया और



देर रात तक धार्मिक कार्यक्रमों की धूम मची रही। रामलीला के माध्यम से जहां भगवान श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा का संदेश दिया गया, वहीं रावण दहन के जरिए अहंकार, अन्याय और बुराई के अंत का प्रतीकात्मक संदेश दिया गया। दशहरा के को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से ही उत्साह का माहौल बना हुआ था। नवरात्रि के समापन के बाद विजयादशमी के

खम्हरिया लवन में आज से सात दिवसीय संत ग्रंथ गुरु गद्दी पुजा प्रारंभ

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। गुरु घासीदास जन कल्याण युवा समिति खम्हरिया लवन वार्ड क्रमांक.14/15 में संत शिरोमणि परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी का सात दिवसीय गुरु गद्दी पूजा आयोजन 22 अक्टूबर दिन गुरुवार से 28 अक्टूबर दिन – बुधवार तक दीप प्रज्वलित पंडित हिरामन सोनवानी बिटकुली वाले पंडित के हाथों के द्वारा संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी की गद्दी पुजा ज्योति कलश स्थापित किया जायेगा इस कार्य क्रम के प्रत्येक संत ग्रंथ टोहिया की 301 रु व नारियल फल से सम्मानित किया जाएगा। जिसमें – राकेश चतुर्वेदी (पार्षद प्रतिनिधि) संतोष घृतलहरे पार्षद लवन, अध्यक्ष



हिरामन महिलागे, उपाध्यक्ष तितार खूटे सचिव, श्रीकांत साय, कोषाध्यक्ष मनोहर बांधे, सदस्य- संजय बंदे, राजू धरम, मनहरण, धनराज, हिरारवान, बब्लू, टिकेश्वर, रामकुमार, संतोष, राहुल, सुदर्शन, फागुलाल, दिलिप, सोनसाय, महेश कुरें, शिवकुमार साय, जगदीश, भागीरथी टण्डन, अनिल, राकेश, अशोषा, शिवचरण एवं समस्त सतनामी समाज।

कसडोल में ऐतिहासिक रूप से हुआ सांग-बाना विसर्जन भक्तों की लगी भीड़, 3 दशक से जारी सांग बाना ज्वारा विसर्जन

विश्व केसरी■
कसडोल (प्रवीण डोमने)। कसडोल नगर में ऐतिहासिक रूप से धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रतीक शीतला माता सांग बाना ज्वारा विसर्जन कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। शीतला माता सांग बाना ज्वारा उत्सव समिति द्वारा शीतला माता मंदिर परिसर से भव्य बाना विसर्जन यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक संदीप साहू शामिल होकर बाना ग्रहण किए,यह यात्रा नगर घासीदास चौक, गायत्री चौक, बाजार चौक और डॉ. कन्हैया लाल शर्मा चौक के अलावा विभिन्न मार्गों से होते हुए पतवा तालाब पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ ज्वारा का विसर्जन किया गया। इस दौरान कसडोल विधायक संदीप साहू



भक्तिमय में नजर आए साथ डांस कर विसर्जन में आए श्रद्धालुओं को हौसला अफजाई किया।
समिति के प्रमुख सुरेश जायसवाल (बैगा) ने बताया कि शीतला माता की असीम कृपा और श्रद्धालुओं की आस्था के चलते यह आयोजन विगत लगभग 30 वर्षों से



लगातार किया जा रहा है। इस धार्मिक परंपरा में समिति के सदस्य अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और माता के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए जीभ, गाल एवं हाथ में बाना धारण करते हैं। श्रद्धालु इसे माता के प्रति अपनी अटूट आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं।

राजिम में मां ब्रम्हचारिणी दरबार में हुआ हवन-पूजन

विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। नव उमंग गरबा महोत्सव के अंतिम दिन सेवा, सहयोग और सामाजिक सरोकारों के नाम रहा। आयोजन समिति द्वारा इस विशेष अवसर पर चैरिटेबल गरबा का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों के साथ-साथ दर्शकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी सहभागिता से इस आयोजन को यादगार बना दिया।
इस चैरिटेबल गरबा की सबसे खास बात संकल्प सेवा संस्थान, बुडेली, नवागांव, जिला धमतरी के बच्चों की उपस्थिति रही। संस्थान में मूक-बधिर एवं नेत्रहीन बच्चे रहते हैं। संस्थान के बच्चों ने गरबा महोत्सव में पहुंचकर अपने गायन एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। उनकी प्रतिभा, उत्साह और आत्मविश्वास ने उपस्थित जनसमूह का दिल जीत लिया। बच्चों की



प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ समाज में समावेशिता और समान अवसरों का संदेश भी दिया।
नव उमंग गरबा महोत्सव के सदस्यों ने इस अवसर पर एक सराहनीय पहल करते हुए घोषणा की कि चैरिटेबल गरबा के दौरान एकत्रित होने वाली समस्त राशि संकल्प सेवा संस्थान के मार्गदर्शकों को सौंपी जाएगी, ताकि इस सहयोग के माध्यम से संस्थान के बच्चों के

कल्याण एवं उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति में योगदान दिया जा सके। समिति के सदस्यों ने कहा कि नव उमंग गरबा महोत्सव केवल नृत्य, संगीत और संस्कृति का उत्सव नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का एक माध्यम भी है। इस आयोजन के जरिए यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि संकल्प सेवा संस्थान के मार्गदर्शकों को सौंपी जाएगी, ताकि इस सहयोग के माध्यम से संस्थान के बच्चों के

संपादकीय

भगदड़ की त्रासदी



डॉ. सत्यवान सौरभ

अक्टूबर 2026 में कोलकाता दुर्गा पूजा के दौरान हुई भगदड़, जिसमें 19 लोगों की मृत्यु हुई, ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक तकनीक और अनुभव होने के बावजूद भारत में भीड़ प्रबंधन की गंभीर कमियां बनी हुई हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस समस्या को कानून-व्यवस्था के बजाय आपदा जोखिम न्यूनीकरण के दृष्टिकोण से देखा जाए।

भारत में भगदड़ की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण क्षमता से अधिक भीड़ का एकत्र होना है। अनेक धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की संख्या अनुमान से कहीं अधिक पहुंच जाती है, जबकि स्थल की वहन क्षमता सीमित होती है। प्रयागराज महाकुंभ 2025 की घटना ने दिखाया कि जब निर्धारित क्षमता से अधिक लोग एक साथ किसी स्थान पर पहुंचते हैं, तो भीड़ का दबाव स्वयं मृत्यु का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रति वर्ग मीटर छह से अधिक लोगों का घनत्व अत्यंत खतरनाक स्थिति उत्पन्न कर देता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण आधारभूत संरचना की कमियां हैं। संकरे प्रवेश द्वार, अपर्याप्त निकास मार्ग, टूटे हुए बैरिकेड, अस्थायी पुल और अव्यवस्थित गलियारे लोगों की आवाजाही को बाधित करते हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 2025 में हुई भगदड़ ने यह दिखाया कि सीमित प्लेटफॉर्म, भीड़भाड़ वाले फुटओवर ब्रिज और अनियोजित यात्री प्रवाह किस प्रकार दुर्घटना को जन्म देते हैं। जब हजारों लोग एक ही दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं, तो पीछे का दबाव आगे खड़े लोगों को गिरा देता है।

तीसरा कारण अचानक उत्पन्न होने वाली भीड़ को लहर (Crowd Surge) है। अफवाह, मौसम में अचानक बदलाव, बिजली गुल होना, किसी वीआईपी के आगमन की सूचना या किसी खतरे की आशंका कुछ ही सेकंड में लोगों को एक साथ भागने पर मजबूर कर सकती है। कोलकाता दुर्गा पूजा 2026 में भारी वर्षा और अव्यवस्थित निकासी ने ऐसी ही स्थिति पैदा की। अक्सर लोग वास्तविक खतरे से नहीं, बल्कि दूसरों को भागते देखकर स्वयं भी दौड़ पड़ते हैं।

चौथा कारण आयोजनों की कमजोर योजना और जोखिम आकलन की कमी है। कई आयोजनों में आगंतुकों की संभावित संख्या का वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाया जाता। प्रवेश और निकास के समय का विभाजन नहीं किया जाता तथा भीड़ के अलग-अलग प्रवाह को नियंत्रित करने की व्यवस्था नहीं होती। बेंगलुरु में 2025 के आरसीबी विजय समारोह के दौरान भीड़ नियंत्रण की अपर्याप्त तैयारी ने इस समस्या को उजागर किया।

पांचवां कारण विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है। पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, परिवहन विभाग और आयोजन समिति के बीच स्पष्ट जिम्मेदारी का अभाव प्रतिक्रिया को धीमा कर देता है। आपातकालीन चिकित्सा सहायता समय पर न पहुंच पाने से कई घायल लोगों की जान चली जाती है।

इन घटनाओं की रोकथाम के लिए सबसे पहले क्षमता-आधारित प्रवेश व्यवस्था लागू करनी होगी। बड़े धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों में अग्रिम पंजीकरण, डिजिटल पास, समय-आधारित स्लॉट तथा निर्धारित संख्या के बाद प्रवेश रोकने जैसी व्यवस्थाएं प्रभावी सिद्ध हो सकती हैं। इससे किसी एक समय पर भीड़ का अत्यधिक दबाव नहीं बनेगा।

दूसरा, तकनीक आधारित भीड़ निगरानी को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। सीसीटीवी कैमरे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), ड्रोन, रियल-टाइम भीड़ घनत्व विश्लेषण और स्वचालित चेतावनी प्रणाली प्रशासन को पहले से संकेत दे सकती हैं कि किस स्थान पर दबाव बढ़ रहा है। स्मार्ट सेंसरों की सहायता से भीड़ के अग्रगण्य व्यवहार की तुरंत पहचान संभव है।

तीसरा, सुरक्षित आधारभूत संरचना विकसित करना आवश्यक है। प्रवेश और निकास मार्ग अलग-अलग होने चाहिए, पर्याप्त चौड़े गलियारे बनाए जाएं, बैरिकेड मजबूत हों और स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं। आपातकालीन निकासी गलियारों को हमेशा खाली रखा जाए ताकि आवश्यकता पड़ने पर लोग शीघ्र बाहर निकल सकें।

चौथा, आपातकालीन तैयारी को प्रत्येक बड़े आयोजन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। आयोजन से पहले माॅक ड्रिल आयोजित की जाए, चिकित्सा दल, एंबुलेंस और प्राथमिक उपचार केंद्र तैयार रहें तथा प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को भीड़ का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी दी जाए। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से समय-समय पर लोगों को शांत और व्यवस्थित रहने के निर्देश दिए जाएं। पांचवां, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के दिशा-निर्देशों का कठोर पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। प्रत्येक बड़े आयोजन से पहले सुरक्षा ऑडिट कराया जाए, आयोजकों की कानूनी जवाबदेही तय की जाए और लापरवाही पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।



ललित गर्ग

भारत केवल एक भौगोलिक सीमा में बसा देश नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच विकसित हुई एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है, जिसने हजारों वर्षों से अनेक विचारों, आस्थाओं, भाषाओं, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों को अपने भीतर स्थान दिया है। हमारी असली शक्ति इस विविधता को मिटाने में नहीं, बल्कि उसका सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का विजयादशमी पर दिया जाने वाला वार्षिक उद्बोधन इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचारणीय एवं राष्ट्रीय एकता का महा-उद्घोष है। उनके संदेश में देश की एकता, सामाजिक सद्भाव, नागरिक अनुशासन और भारत के सामने उपस्थित चुनौतियों के प्रति सजग रहने का आह्वान है। यह संदेश किसी एक संगठन, विचारधारा अथवा राजनीतिक पक्ष तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे राष्ट्रीय जीवन के आत्ममंथन का अवसर बनाना चाहिए। आज भारत जिस वैश्विक परिवेश में आगे बढ़ रहा है, उसमें उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार अनेक संभावनाएं पैदा कर रहा है।

लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक उपलब्धियों, सैन्य सामर्थ्य अथवा वैश्विक प्रतिष्ठा से नहीं मापी जाती। उसकी सबसे बड़ी शक्ति होती है-उसके नागरिकों का परस्पर विश्वास, संस्थाओं के प्रति सम्मान और संकट के समय एकजुट होकर खड़े होने की क्षमता। यदि सामाजिक ताने-बाने में अविश्वास गहरा जाए, संवाद की जगह कटुता ले ले और राजनीतिक अथवा वैचारिक मतभेद शत्रुता में बदल जाएं, तो बाहरी चुनौतियों से अधिक गंभीर संकट भीतर पैदा होने लगता है।

भारत के पड़ोस में पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से चली आ रही सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाएं हमारी सतर्कता की मांग करती हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका सहित विभिन्न शक्तियों के साथ भारत के संबंधों में सहयोग और प्रतिस्पर्धा, दोनों के आयाम मौजूद हैं। इसलिए किसी भी देश की नीतियों का आकलन भावनाओं के बजाय तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और कूटनीतिक विवेक के आधार पर किया जाना चाहिए। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक विदेशी शक्ति भारत को कमजोर करने के उद्देश्य से ही काम कर रही है, लेकिन यह समझना भी आवश्यक है कि वैश्विक राजनीति में हर देश अपने हितों को प्राथमिकता देता है। ऐसे समय में भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के हाथों में नहीं, बल्कि देश के भीतर नागरिकों के बीच कायम विश्वास में ही निहित है। कोई भी बाहरी शक्ति तभी हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठा सकती है, जब हम स्वयं अपने मतभेदों को इतना गहरा कर लें कि

एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, शत्रु समझने लगे। इसलिए राष्ट्रीय एकता केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। देश की सीमाओं की रक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है उन सीमाओं के भीतर रहने वाले लोगों के दिलों के बीच विश्वास की दीवारों को मजबूत करना।

बांग्लादेश और फ्रांस में अलग-अलग परिस्थितियों में हुए आंदोलनों तथा सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल को उल्लेख करते हुए हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी देश में असंतोष को अनदेखा करना और

स्वाभाविक हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, सामाजिक न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर नागरिकों को प्रश्न उठाने और शांतिपूर्ण विरोध करने का पूरा अधिकार है। सरकारों का दायित्व है कि वे इन आवाजों को गंभीरता से सुनें और समाधान की दिशा में काम करें। वहीं नागरिकों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे जनभावनाओं का उपयोग समाज को बांटने के बजाय सकारात्मक परिवर्तन के लिए करें। लोकतंत्र में असहमति देशविरोध नहीं होती और सत्ता से प्रश्न करना राष्ट्र के प्रति अविश्वास का प्रमाण



असंतोष को हिंसा में बदलने देना-दोनों ही स्थितियां नुकसानदेह हो सकती हैं। जनता की वास्तविक समस्याओं को सुनना लोकतंत्र की जिम्मेदारी है, जबकि विरोध के नाम पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और समाज में घृणा फैलाना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता।

भारत जैसे विशाल और बहुलतावादी लोकतंत्र में मतभेद

मंच दिया है, लेकिन इसी माध्यम से झूठी खबरें, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री और आधे-अधूरे तथ्यों को भी तेजी से फैलाया जा सकता है। ऐसी सामग्री लोगों के मन में भय, आक्रोश और अविश्वास पैदा करके सामाजिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा समुदाय के बारे में एकतरफा सामग्री फैलाकर पूरे समाज को संदेह की दृष्टि से देखने के लिए उकसाया जाता है। एक झूठा संदेश वर्षों से बने आपसी विश्वास को क्षणभर में

संवेदना जुड़ी हो। भारत की एकता का अर्थ यह नहीं कि सभी नागरिक एक जैसा सोचें, एक जैसी पूजा-पद्धति अपनाएं अथवा सभी राजनीतिक प्रश्नों पर एकमत हों। एकता का वास्तविक अर्थ है कि अलग-अलग विचारों के बावजूद हम एक-दूसरे के सम्मान, अधिकारों और अस्तित्व को स्वीकार करें। संविधान ने हमें समान नागरिकता, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय की जो भावना दी है, वही हमारे राष्ट्रीय सहअस्तित्व की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी छोटी-छोटी पहचानों को राष्ट्रीय पहचान के विरोध में खड़ा न करें। धर्म हमें नैतिकता सिखाए, राजनीति जनकल्याण का माध्यम बने, शिक्षा विवेक पैदा करे और सामाजिक संगठन सेवा तथा समरसता को बढ़ावा दें। कोई भी विचारधारा तभी राष्ट्र के लिए उपयोगी है, जब वह समाज को बेहतर बनाए, कमजोरों को सहाय देने और नागरिकों में जिम्मेदारी का भाव जगाने में योगदान करे।

राष्ट्रीय एकता की छतरी इतनी विशाल होनी चाहिए कि उसमें हर धर्म, हर भाषा, हर क्षेत्र, हर जाति और हर वैचारिक पृष्ठभूमि का भारतीय सम्मानपूर्वक खड़ा हो सके। यहाँ किसी की देशभक्ति का निर्णय केवल उसकी धार्मिक पहचान, राजनीतिक पसंद या वैचारिक असहमति से नहीं होना चाहिए। देश के प्रति प्रतिबद्धता की मूल्यांकन उसके आचरण, संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान और समाज के लिए किए गए योगदान से होना चाहिए। मोहन भागवत के उद्बोधन का एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जिम्मेदारी का विचार भी है।

बोध कथा

सच्चा प्रजपालक

एक बार महाराजा अशोक के राज्य में अकाल पड़ा। जनता भूख तथा प्यास से त्रस्त हो उठी। राजा ने तत्काल राज्य में अन्न के भंडार खुलवा दिए। सुबह से लेने वालों का ताँता लगता और शाम तक न टूटता। एक दिन संध्या हो गई। जब सब लेने वाले निकट गए तो एक कुशकाय बूढ़ा उठा और उसने अन्न माँगा। बाँटने वाले भी थक चुके थे अतः उन्होंने उसे डाँटकर कहा-कल आना आज तो अब ख़ैरत बंद हो गई।'तभी एक हष्ट-पुष्ट शरीर के नवयुवक जैसा व्यक्ति आया और बाँटने वालों से बोला-बेचारा बूढ़ा है। मैं देख रहा हूँ बड़ी देर से बैठा है यह।

शरीर से दुर्बल होने के कारण सबसे पीछे रह गया है। इसे अन्न दे दो।'उसकी वाणी को सुकृ ऐसा प्रभाव था कि बाँटने वालों ने उसे अन्न दे दिया। उस नवयुवक की सहायता से उसने गठरी बाँध

ली। अब उठे कैसे? तब वही युवक बोला-लाओ मैं ही पहुँचाए देता हूँ।' और गठरी उठाकर पीछे-पीछे चलने लगा।बूढ़े का घर थोड़ी दूर पर रह गया था। तभी एक सैनिक टुकड़े उधर से गुजरी। टुकड़ी के नायक ने घोड़े पर से उतर कर गठरी ले जाने वाले का फौजी अभिवादन किया। उस व्यक्ति ने संकेत से आगे कुछ बोलने को मना कर दिया। फिर भी बूढ़े की समझ में कुछ-कुछ आ गया। वह वहीं खड़ा हो गया और कहने लगा-आप कौन हैं,सच-सच बताइए।' वह व्यक्ति बोला-मैं एक नौजवान हूँ और तुम वृद्ध हो,दुर्बल हो। बस इससे अधिक परिचय व्यर्थ है। चलो बताओ तुम्हारा घर किधर है।' पर अब तक बूढ़ा पूरी तरह पहचान चुका था। वह पैरों में गिर गया और क्षमा माँगते हुए बड़ी मुश्किल से बोला-प्रजापालक आप सच्चे अर्थों में प्रजापालक हैं।''

व्यंग्य केसरी

चिंतन-मनन की बेला है...!

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

देश की एक सौ चालीस साल पुरानी पार्टी आज नेतृत्व के अभाव में अपने विजय विहीन अस्तित्व के गहरे संकट से गुजर रही है उसकी वजह से चंद राज्यों में सिमट कर रह गई है। उसकी हालत इतनी पतली हो गई है कि वह सड़क पर हो-हल्ले और हँगामा करने पर उतर आई है। चूँकि उसके अपने पूर्व के काले कारनामों की वजह से जनता द्वारा उसे सत्ता से दरकिनार कर दिया गया है और वह समय की कसौटी पर अप्रासंगिक हो चुकी है। अहिंसा के पुजारी महात्मा गाँधी के नाम का अपने उपनाम के रूप में इस्तेमाल कर उनके पदचिह्न पर चलने की बजाए उन्होंने महात्मा की आत्मा की हत्या कर देश को अराजकता की आग में झोंकने पर

तुली हुई है।

जिस पार्टी को आज अपनी पराजय पर आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। वह उसके स्थान पर अपने दिशाहीन नेता के नेतृत्व में सत्तापक्ष को गरियाने और स्वायत्त संस्थाओं को बदनाम करने में लगी है। संसद में जन हित के मुद्दे उठाने और सार्थक बहस करने की बजाए फिजूल की बकवास करने और सड़क पर उतरकर, आंदोलन चलाकर प्रगति-पथ पर गतिमान रथ के पंथ को बाधित करने में लगी है। उसका नेता काल के देवता शिव के नाम पर नौडब के जरिए खुद अपना ही भस्मासुर बना जा रहा है। जबकि उसे मालूम होना चाहिए कि शिव के आराध्य स्वयं श्रीराम हैं। शिव का स्पष्ट कथन है कि श्रीराम उनके आराध्य हैं

और उनका विद्रोही, उनका विद्रोही है, पर अज्ञानी श्रीराम के परमात्म स्वरूप से अनभिज्ञ है। यहाँ तक की पार्टी के सत्ता लोभी अंधभक्त जान-बूझकर श्रीराम विरोधी अपने आका को खुश करने के लिए कभी स्वयं श्रीराम द्वारा निर्मित रामसेतु के विरोधी रहे हैं।

जबकि नासा जैसी प्रसिद्ध वैज्ञानिक संस्थान ने रामसेतु की तस्वीरों को दिखाकर यह प्रमाणित कर दिया कि हजारों साल पहले रामसेतु बनाया गया था। उन्हीं श्रीराम के अयोध्या में भव्य मंदिर के निर्माण का होना और उद्घाटन के अवसर आमंत्रण के बावजूद अनुपस्थित रहना, यह दर्शाता है कि पार्टी और उसके नेताओं का अवश पति के प्रति आस्था और विश्वास क् स्थान पर मन में उपेक्षा और घृणा का भाव

कविता

प्रेम की अर्थव्यवस्था

रविकान्त राऊत

तुम गांव में रहती थी,

पढ़ने में तेज़

मैं भी उसी गांव से था और शहर में रहता था

तेरे सपनों का मान रख तेरे पिता ने

इज़ाजत दे दी उन्हें पूरा करने की

और मेरे भरोसे पर शहर भेज दी गयी

तुम .

थोड़ा वक्त् भी न गुज़रा था कि तुम्हें हवा लग गयी शहर की

पुराने सपने नई शक्लें अख़्बूतयार करने लगे

देख रहा हूं आजकल

तुम्हारे कपड़ों की बढ़ती पारदर्शिता

और डिज़ाइनर-आउट्फिट्स में लगाये गये टेलर-मेड कट्स से झांकते तेरे अंगों की ‘पूर्वानुमेयता’ (Predictability)

मेरे मन में ‘मुद्रा’ (Currency) की तरह

तेरे ‘मूल्य’ (Value) को लेकर एक संशय की स्थिति निर्मित कर रही है .

आसान है मेरे लिये , छोड़ दू तुझे तेरे हाल पर

पर तेरे पिता की इच्छा थी मैं रहूँ ‘रिज़र्व- बैंक’ की तरह, सदा तेरे संग जिसका काम ही होता है हर हाल में ‘मौद्रिक-स्थिरता’ (‘Monetary stability’) को क़ायम रखना

इतिहास

22 अक्टूबर का इतिहास भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है, जिनमें 2008 में चंद्रयान-1 का सफल प्रक्षेपण और 1963 में भाखड़ा नाल परियोजना का राष्ट्र को समर्पण प्रमुख हैं। प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ 1680: मेवाड़ के राणा राज सिंह का निधन हुआ। 1797: आंद्रे-जैक्स गार्नेरिन ने पैराशूट से पहली बार छलांग लगाई। 1879: ब्रिटिश शासन के खिलाफ वासुदेव बलवंत फड़के पर पहला राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया। 1836: सेम ह्यूस्न टेक्सास गणराज्य के पहले राष्ट्रपति बने। 1963: भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना ‘भाखड़ा नालंग’ राष्ट्र को समर्पित की गई। 1975: सोवियत संघ का मानवरहित अंतरिक्ष यान ‘वेनेरा-9’ शुक्र ग्रह की सतह पर उतरा।

एस्सार पोर्ट्स को कांडला के टूना टेकरा बहुउद्देशीय कार्गो टर्मिनल के लिए मिला एलओए

18.33 एमटीपीए क्षमता वाला बहुउद्देशीय कार्गो टर्मिनल विकसित करेगी कंपनी

विश्व केसरी

मुंबई। एस्सार पोर्ट्स लिमिटेड को गुजरात के कांडला स्थित टूना टेकरा में बहुउद्देशीय कार्गो टर्मिनल विकसित करने के लिए दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण (डीपीए) से आशय-पत्र (एलओए) प्राप्त हुआ है। कंपनी इस परियोजना को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत निर्माण, संचालन और हस्तान्तरण (बीओटी) आधार पर विकसित करेगी। वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में एस्सार पोर्ट्स सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी बनकर उभरी। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2,276.06 करोड़ रुपए है। इसमें एस्सार पोर्ट्स



1,552.57 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी, जबकि 723.49 रुपए करोड़ का योगदान दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण करेगा। यह परियोजना एस्सार पोर्ट्स की

क्षमता बढ़ाने तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभाएगा। एस्सार समूह पांच दशकों से अधिक के उद्यमशीलता अनुभव वाला वैश्विक कारोबारी समूह है। यह ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, धातु एवं खनन, प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में विश्वस्तरीय परिसंपत्तियों की परिकल्पना, निवेश, निर्माण और संचालन के क्षेत्र में सक्रिय है। वर्तमान में एस्सार पोर्ट्स के पोर्टफोलियो में गुजरात, इंडोनेशिया और ब्रिटेन में लगभग 60 एमटीपीए की परिचालन क्षमता शामिल है। कंपनी भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने बंदरगाह कारोबार का विस्तार कर रही है।

भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में तीसरी तिमाही में 33 सौदे हुए, वैल्यू 1.7 अरब डॉलर रही

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में 2026 की तीसरी तिमाही में 1.7 अरब डॉलर के 33 सौदे दर्ज किए गए। यह पिछली तिमाही के 71.7 करोड़ डॉलर के 20 सौदों से काफी अधिक है। इस वृद्धि के पीछे विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए), निजी पूंजी निवेश और सार्वजनिक बाजार से दोबारा धन जुटाने की गतिविधियों में तेजी प्रमुख कारण रहे। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।



ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछली तिमाही की तुलना में सौदों की संख्या में 65 प्रतिशत और उनके कुल मूल्य में 131 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर बदलाव निवेश का प्रमुख विषय बना रहा। निवेशकों ने ईवी निर्माताओं, बैटरी तकनीक, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, मोबिलिटी प्लेटफॉर्म

और ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियों में पूंजी लगाई। रिपोर्ट में कहा गया कि निवेशकों ने ऐसी कंपनियों को प्राथमिकता देना जारी रखा, जिनका कारोबारी मॉडल बड़े स्तर पर विस्तार करने में सक्षम है, जिनके पास अलग पहचान वाली तकनीक है और जो भारत के बदलते मोबिलिटी इकोसिस्टम में मजबूत स्थिति रखती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए)

और प्राइवेट इक्विटी या वेंचर कैपिटल (पीई/वीसी) गतिविधियों के तहत कुल 808 मिलियन डॉलर के 28 सौदे हुए। इस तिमाही के आंकड़े ऐसे समय में मोबिलिटी और इलेक्ट्रिफिकेशन के दीर्घकालिक अवसरों में निवेशकों के निरंतर भरोसे को दर्शाते हैं, जब फंडिंग के मामले में निवेशक चुनिंदा कंपनियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ग्रांट थॉर्नटन भारत में ऑटोमोटिव एवं ईवी इंडस्ट्री के

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक ने डार्क वेब पर 3,897 ग्राहकों के रिकॉर्ड लीक होने की पुष्टि की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने बुधवार को एक डेटा ब्रीच की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके 3,897 ग्राहकों के रिकॉर्ड डार्क वेब पर उजागर पाए गए हैं। बैंक ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उसे अपने ग्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और सीईआरटी-इन से ग्राहक डेटा के संभावित लीक होने संबंधी अलर्ट प्राप्त हुए थे। एसबीआई के अनुसार, डार्क वेब पर उपलब्ध लगभग 3.75 लाख रिकॉर्ड के प्रारंभिक विश्लेषण के दौरान 3,897 ऐसे ग्राहक रिकॉर्ड की पहचान की गई, जिनमें व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) मौजूद थी। बैंक ने बताया कि उजागर हुए डेटा में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, नाम, लिंग, ईमेल आईडी, आवासीय पते, शाखा और सीआईएफ पहचान संख्या, लीड आईडी तथा ऋण और लीड रिकॉर्ड से संबंधित मेटाडेटा एवं अन्य फाइलें शामिल थीं। सरकारी बैंक ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही उसने अपनी साइबर घटना प्रतिक्रिया और नियंत्रण प्रक्रिया सक्रिय कर दी। साथ ही मामले की विस्तृत जांच और संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए सीईआरटी-इन द्वारा अनुमोदित एक स्वतंत्र साइबर सुरक्षा एजेंसी को नियुक्त किया गया है। बैंक के अनुसार, फिलहाल विस्तृत जांच जारी है ताकि यह



पता लगाया जा सके कि डार्क वेब पर मौजूद डेटा कितना प्रामाणिक और पूर्ण है, इसका स्रोत क्या है, डेटा कितनी मात्रा में उजागर हुआ है और इससे जुड़े संभावित जोखिम क्या हैं। एसबीआई ने स्पष्ट किया कि इस घटना का उसके मुख्य व्यावसायिक संचालन, वित्तीय प्रदर्शन या कारोबार की निरंतरता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है। बैंक की सभी प्रमुख सेवाएं सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं और ग्राहकों की बैंकिंग सेवाओं में कोई व्यवधान नहीं आया है। बैंक ने कहा कि जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक और निवारक कदम उठाए जा रहे हैं। बुधवार दोपहर 12.18 बजे के करीब एनएसई पर एसबीआई के शेयरों में 0.61 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली और यह 967 के करीब कारोबार करता नजर आया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 52 सप्ताह में एसबीआई का उच्चतम स्तर 1,234.70 रुपए और न्यूनतम स्तर

900.95 रुपए रहा है। पिछले 6 महीने में स्टॉक 13 प्रतिशत गिरा है, जबकि पिछले 1 वर्ष में स्टॉक ने 6.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले 5 वर्षों में इसने 92.30 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को मुनाफा कराया है। गौरतलब है कि सप्ताह की शुरुआत में 'सिरियसिम' नामक एक हैकर समूह ने दावा किया था कि उसने एसबीआई से जुड़े गोपनीय ग्राहक डेटा हासिल कर लिए हैं। इनमें ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी, ऋण आवेदन और खाता खोलने से संबंधित दस्तावेज शामिल होने का दावा किया गया था। इस दावे को साइबर सुरक्षा निगरानी से जुड़े सोशल मीडिया अकाउंट साइबरपल्लव56 ने भी एक्स पर साझा किया था। पोस्ट के अनुसार, हैकर समूह के पास सीएसवी प्रारूप में लगभग 3.75 लाख डेटा एंट्री और 2,722 पीडीएफ दस्तावेज मौजूद होने का दावा किया गया है, जो देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से संबंधित बताए गए हैं।

शेयर बाजार में गिरावट, संसेक्स 143 अंक टूटा, निफ्टी भी फिसला

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट देखने को मिली। दिन के अंत में संसेक्स 143.21 अंक या 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,709.69 और निफ्टी 77.60 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,811.35 पर था। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 922.10 अंक या 1.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 57,565.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 448.45 अंक या 2.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,487.30 पर था। बाजार में सबसे अधिक दबाव डिफेंस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल स्टॉक्स में देख गया। सूचकांकों में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक गेनर्स थे। बजाज फाइनेंस, इटरनल, ट्रेट, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, मारुति सुजुकी, इंडिगो, कोटक महिंद्रा बैंक, बीईएल, बाजज फिनसर्व, टाटा स्टील, टाइटन, एसबीआई, इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो,



एमएंडए, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों में शुरुआती बहुत टिक नहीं पाई। इसकी वजह कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और एफआईआई की लगातार बिकवाली थी। ऑटो, फाइनेंशियल, मेटल और रियल्टी सेक्टर में मुनाफावस्ती तेज रही, जो महंगाई और मार्जिन के दबाव को लेकर चिंताएं दिखाती है। वहीं, बेहतर कमाई की संभावनाओं और निवेशकों की नई दिलचस्पी के चलते आईटी सेक्टर ने काफी मजबूती दिखाई।

भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौता निर्यातकों के लिए नए अवसर खोलेगा : उद्योग जगत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उद्योग संगठन एसोचैम ने बुधवार को भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लागू होने का स्वागत करते हुए कहा कि यह समझौता विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत की आर्थिक भागीदारी को और मजबूत करेगा तथा निर्यातकों, निर्माण क्षेत्र और छोटे कारोबारों के लिए नए अवसर पैदा करेगा। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने इस समझौते को दोनों देशों के लिए लाभकारी साझेदारी बताते हुए कहा कि न्यूजीलैंड के बाजार में मिलने वाली ड्यूटी-फ्री पहुंच भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), कारीगरों, किसानों और महिला उद्यमियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद साबित होगी। उन्होंने कहा, 'इस समझौते की वास्तविक सफलता



उन अवसरों से मापी जाएगी, जो यह पैदा करेगा और दोनों देशों के लोगों के जीवन पर जो सकारात्मक प्रभाव डालेगा।' मिंडा ने यह भी कहा कि भारत से न्यूजीलैंड के लिए पहली बार निर्यात की गई जेसीबी मशीन, जिसे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रवाना किया, भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत के 8,284 उत्पाद वर्गों (टैरिफ लाइन्स) पर 58.9 करोड़ डॉलर रहा।

केन्द्र सरकारी बैंकों में एफडीआई की सीमा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर कर रही विचार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर विचार कर रही है। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस संबंध में वित्त मंत्रालय ने एक प्रारूप कैबिनेट नोट तैयार किया है और प्रस्तावित बदलाव पर अन्य मामलों से राय मांगी है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। केंद्रीय बैंक ने हाल ही में सरकार को पत्र लिखकर सरकारी बैंकों में एफडीआई सीमा बढ़ाने पर जल्द विचार करने की सिफारिश की है। फिलहाल निजी क्षेत्र के बैंकों में एफडीआई की सीमा 74 प्रतिशत है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में यह केवल 20 प्रतिशत तक सीमित है। देश के 12 सरकारी बैंकों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में सबसे अधिक 11.07 प्रतिशत विदेशी निवेश है। इसके बाद केनरा बैंक में 10.55



प्रतिशत एफडीआई हिस्सेदारी दर्ज की गई है। हालांकि, इस विषय पर अब तक वित्त मंत्रालय या आरबीआई की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इस बीच, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह मजबूत बना हुआ है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में एफडीआई प्रवाह 6 प्रतिशत बढ़कर 19.81 अरब डॉलर पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 18.62 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर अप्रैल में एफडीआई लगभग दोगुना होकर 12.1 अरब

मिडिल ईस्ट तनाव, मजबूत डॉलर और ब्याज दर बढ़ोतरी की आशंका से कीमती धातुओं पर दबाव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, मजबूत डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर बढ़ोतरी की आशंका से सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान, वैश्विक बाजार से लेकर घरेलू कमोडिटी बाजार तक दोनों कीमती धातुएं दबाव में नजर आईं। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर बुधवार को सोने और चांदी दोनों में गिरावट देखी गई। खबर लिखे जाने तक सोना 0.23 प्रतिशत कमजोर होकर 4,133 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता नजर आया। वहीं चांदी 1.03 प्रतिशत फिसलकर 57.405 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही थी। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना गिरकर 1.46



लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया, तो वहीं चांदी 2.09 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिर्सबर डिलीवरी वाला सोना खबर लिखे जाने तक करीब 519 रुपए या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,46,000 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। दिन के कारोबार में सोना अपने पिछले बंद 1,46,519 रुपए से 0.13 प्रतिशत टूटकर 1,46,328 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, लेकिन बाद में यह 830 रुपए यानी 0.56 प्रतिशत फिसलकर 1,45,689 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

रायपुर, 22 अक्टूबर 2026 | 6 | विश्व केसरी

कम उम्र से ही हड्डियां क्यों होने लगती है कमजोर, ऑस्टियोपोरोसिसस न हो इसके लिए पहले से क्या करना चाहिए



हड्डियां हमारे शरीर का मुख्य आधार है लेकिन आजकल युवा उम्र से ही लोगों की हड्डियां कमजोर होने लगती है. हड्डियों कमजोर होने की सबसे बड़ी बीमारी है ऑस्टियोपोरोसिस. ऐसे में सवाल उठता है कि अगर किसी को ऑस्टियोपोरोसिस हो जाए तो कैसे पता करें कि उसे ऑस्टियोपोरोसिस है या ऑस्टियोपोरोसिस हो ही नहीं, इसके लिए क्या किया जाना चाहिए, हड्डियां कमजोर होना जिंदगी

को दूधर करने जैसा है. कमजोर हड्डियों के सहारे आप कोई भी शारीरिक काम सही से नहीं कर सकते हैं. हड्डियों की एक गंभीर बीमारी होती है ऑस्टियोपोरोसिस. आमतौर पर यह बुजुर्गों में होती है. लेकिन आजकल 40-50 साल की उम्र में भी लोगों को ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी होने लगी है. इसमें हड्डियां हमेशा चटकती रहती है और क्षणभंगुर हो जाती है. यहां तक कि चलने में और खड़ा

होने में भी दिक्कत होने लगती है. आखिर इसकी समय से पहले पहचान क्या है और इससे कैसे बचा जा सकता है. आइए इसके बारे में जानते हैं. ऑस्टियोपोरोसिस है क्या मायो क्लीनिक के मुताबिक हमारी हड्डियां लगातार टूट-फूट के दौर से गुजरती रहती है लेकिन हर बार अपने आप टूटी-फूटी कोशिकाओं की जगह नई बना लेती है. ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी

सबसे आम तौर पर कूल्हे, कलाई या रीढ़ की हड्डी में होते हैं. ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षण ऑस्टियोपोरोसिस के शुरुआती चरणों में हड्डियों के कमजोर होने के अक्सर कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं लेकिन जैसे-जैसे यह बीमारी बढ़ती है हड्डियां तेजी से कमजोर होने लगती हैं. इसमें अचानक रीढ़ की हड्डी टूटने या दबने के कारण पीठ में दर्द करता है, समय के साथ लंबाई में कमी आ जाती है, लोग झुककर चलने लगते हैं, मामूली झटके या गिरने पर हड्डियां बहुत आसानी से टूटने लगती हैं. हमारे शरीर में हड्डियों की कोशिकाएं लगातार मरती है और लगातार बनती रहती है. जहां नई हड्डियां बनती हैं और पुरानी हड्डियां टूटती हैं. युवावस्था में नई हड्डियां तेजी से बनती हैं, लेकिन 30 वर्ष की उम्र में पीक बोन मास पर पहुंच जाती है. इसके बाद उम्र बढ़ने के साथ पुरानी हड्डियों के नष्ट होने की दर नई हड्डियों के बनने से तेज हो जाती है. इस स्थिति में ऑस्टियोपोरोसिस होने की आशंका काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि आपने अपनी युवावस्था में कितना पीक बोन मास हासिल किया है. यह जितना अधिक होगा, उम्र बढ़ने पर ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा उतना ही कम होगा।

गोभी में छिपे कीड़े और गंदगी को हटाना है आसान, अपनाएं ये सफाई के 7 आसान तरीके



गोभी की परतों में मिट्टी और कीड़े छिपे हो सकते हैं. पकाने से पहले गोभी को छोटे टुकड़ों में काटकर नमक, हल्दी या सिरके वाले पानी में भिगोकर अच्छी तरह साफ करना सैहत के लिए जरूरी है. इसको साफ करना आसान होता है. गोभी एक पीप्टिक और स्वादिष्ट सब्जी है, जिसका उपयोग परांटे, सब्जी, पकौड़े और कई अन्य व्यंजनों में किया जाता है. हालांकि गोभी की परतों के बीच अक्सर मिट्टी, छोटे कीड़े और उनके अंडे छिपे हो सकते हैं. यदि गोभी को सही तरीके से साफ न किया जाए, उम्र बढ़ने पर ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा उतना ही कम होगा।

इसलिए गोभी पकाने से पहले उसे अच्छी तरह साफ करना बहुत जरूरी है. सबसे पहले बाहरी पत्तियां हटाएं गोभी साफ करने की शुरुआत उसकी बाहरी पत्तियों को हटाने से करें. बाहरी पत्तियों पर सबसे ज्यादा धूल-मिट्टी और कीटनाशकों के अवशेष हो सकते हैं. खराब या पीली पत्तियों को भी निकाल दें. छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें पूरी गोभी को धोने की बजाय पहले उसे छोटे-छोटे फूलों में काट लें. इससे उसकी अंदरूनी परतों में छिपी गंदगी और कीड़े आसानी से दिखाई दे जाते हैं. बड़े टुकड़ों की तुलना में छोटे टुकड़े ज्यादा अच्छी तरह साफ हो पाते हैं. नमक वाले पानी का इस्तेमाल एक बड़े बर्तन में पानी भरें और उसमें 1 से 2 चम्मच नमक मिला दें. अब कटे हुए गोभी के टुकड़ों को इसमें 15 से 20 मिनट तक भिगोकर रखें. नमक का पानी छोटे कीड़ों और गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है. गोभी को साफ करने के लिए हल्दी वाला पानी भी उपयोग किया जा सकता है. एक बर्तन में गुनगुना पानी लें और उसमें आधा चम्मच छिपी गंदगी और कीड़े आसानी से हल्दी मिला दें. गोभी को इस पानी में 10 से 15 मिनट तक रखें।

रील बनाने का कैसा भूत सवार? पानी की तेज लहरों में बच्चे को भूल गए मां-बाप



सोशल मीडिया पर रील बनाने की सनक किस हद तक भारी पड़ सकती है, इसका अंदाजा इस वायरल वीडियो से लगाया जा सकता है. समुद्र किनारे वीडियो बनाने में व्यस्त एक कपल के पास उनकी बच्ची लहरों के बीच पहुंच गई. वीडियो ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं. सोशल मीडिया पर आजकल रील बनाने का फ्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है. कहीं लोग खतरनाक जगहों पर वीडियो बनाते हैं, तो कहीं एक परफेक्ट शॉट के चक्कर में अपनी सुरक्षा तक भूल जाते हैं. लेकिन जब बात छोटे बच्चों की सुरक्षा की हो, तो जरा सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है. ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है, जिसमें एक कपल समुद्र किनारे रील बनाने में व्यस्त दिखाई देता है, जबकि उनकी छोटी बच्ची तेज लहरों में रह जाती है. वीडियो सामने आने के बाद लोग सोशल मीडिया पर माता-पिता की जिम्मेदारी और रील बनाने की बढ़ती सनक पर सवाल उठा रहे हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एक कपल समुद्र किनारे कैमरे के सामने पोज देता दिखाई देता है. महिला के साथ एक छोटी बच्ची भी मौजूद होती है. वीडियो में महिला कुछ देर बच्ची का हाथ पकड़े रहती है, लेकिन फिर कैमरे की तरफ ध्यान देने लगती है. इसी दौरान बच्ची गिर जाती है और समुद्र की आती हुई लहरों के बीच पहुंच जाती है और मां उसे छोड़ अपने पति के वीडियो के साथ चलने लगती है. बच्ची पानी के बीच संघर्ष करती नजर आती है, लेकिन कपल का ध्यान तुरंत उसकी तरफ नहीं जाता. तभी वहां मौजूद एक बच्चा उस बच्ची को देख लेता है और उसकी मदद के लिए आगे बढ़ता है।

चावल बनाते समय ये सामग्री डालना न भूलें, खुशबू और स्वाद दोनों में ही होगा कमाल



साधारण चावल को स्वादिष्ट बनाने के लिए घी-जीरा, साबुत मसाले, हरी मटर, मूंगफली, नींबू का रस, काजू-किशमिश, हरा धनिया और करी पते का इस्तेमाल कर सकते हैं. इन आसान तरीकों से चावल का स्वाद बहुत बढ़ जाता है. चावल एक ऐसी डिश है जो लगभग हर भारतीय घर में रोज ही बनती है. हालांकि कई बार रोज-रोज एक जैसे चावल खाने से स्वाद में नयापन नहीं लगता. अच्छी बात यह है कि कुछ आसान सामग्री जोड़कर आप साधारण चावल को भी बेहद स्वादिष्ट और खास बना सकते हैं. इसके लिए आपको किसी विशेष रेसिपी की जरूरत नहीं, बल्कि रसोई में मौजूद कुछ चीजों का सही इस्तेमाल करना है. जीरा और घी का तड़का अगर आप चाहते हैं कि चावल की खुशबू और स्वाद दोनों बढ़ जाएं, तो उन्हें पकते समय एक चम्मच घी और थोड़ा सा जीरा डालें. जीरे का हल्का स्वाद चावल को एक अलग ही पहचान देता है. यह तरीका खासकर दाल या कढ़ी के साथ परोसे जाने वाले चावलों के लिए बेहतरीन है. साबुत मसाले डालें

तेजपत्ता, लौंग, हरी इलायची और दालचीनी जैसे साबुत मसाले चावल को रेस्टोरेंट जैसा स्वाद दे सकते हैं. चावल पकाने से पहले इन मसालों को हल्का सा भून लें और फिर पानी डालकर चावल पकाएं. इससे चावल में शानदार खुशबू आ जाएगी. साधारण सफेद चावल में हरी मटर डालने से उनका स्वाद और पोषण दोनों बढ़ जाते हैं. मटर का हल्का मीठापन चावल को और स्वादिष्ट बनाता है. बच्चों को भी यह तरीका काफी पसंद आता है. भुनी हुई मूंगफली

अगर आप चावल में हल्का क्रांच चाहते हैं, तो उसमें भुनी हुई मूंगफली मिला सकते हैं. यह तरीका खासकर नींबू राइस या साउथ इंडियन स्टाइल चावल में खूब पसंद किया जाता है. नींबू का रस चावल पकाने के बाद उसमें कुछ बूंदें नींबू का रस डाल दें. इससे चावल खिले-खिले बनते हैं और उनका स्वाद भी ताजा लगता है. गर्मियों में यह तरीका विशेष रूप से पसंद किया जाता है. काजू और किशमिश कभी-कभी खास मौके पर चावल को थोड़ा रिच लुक और स्वाद देना हो तो काजू और किशमिश का इस्तेमाल करें. घी में हल्का भूँकर इन्हें चावल में मिलाने से साधारण चावल भी त्योहार वाली डिश बन जाते हैं. हरा धनिया और पुदीना चावल तैयार होने के बाद ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया या पुदीना डालें. इससे न केवल चावल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि उनमें ताजगी भरा स्वाद भी आता है. लहसुन और करी पत्ता यदि आप व्रत में नहीं हैं, तो लहसुन और करी पत्ते का तड़का लगाकर भी चावल का स्वाद कई गुना बढ़ा सकते हैं. यह दक्षिण भारतीय शैली का आसान और स्वादिष्ट तरीका है।

काशी के इस शक्तिपीठ में गिरा था मां सती का आभूषण! जानें विशालाक्षी मंदिर का अद्भुत इतिहास



वाराणसी की गलियों में स्थित मां विशालाक्षी मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि पौराणिक मान्यताओं और सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण स्थल है. मीर घाट के पास स्थित यह मंदिर को 51 शक्तिपीठों में गिना जाता है. यहां देवी विशालाक्षी की पूजा शक्ति स्वरूप में की जाती है. मंदिर की खासियत यह है कि इसकी धार्मिक पहचान काशी की परंपराओं के साथ-साथ दक्षिण भारतीय संस्कृति से भी जुड़ी हुई है. मां विशालाक्षी मंदिर से जुड़ी सबसे प्रचलित मान्यता देवी सती की कथा से संबंधित है. हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, राजा दक्ष के यज्ञ में सती ने अपने प्राण त्याग दिए थे. इसके बाद भगवान शिव उनके शरीर को लेकर विचरण करने लगे. मान्यता है कि भगवान विष्णु ने सृष्टि का संतुलन बनाए रखने के लिए सुदर्शन चक्र से सती के शरीर को अलग-अलग भागों में विभाजित किया. जिन स्थानों पर उनके अंग या आभूषण गिरे, वे शक्तिपीठ कहलाए. धार्मिक मान्यता के मुताबिक, मां सती के दाएं कान का मणि-जड़ित आभूषण इसी स्थान पर गिरा था. इसी वजह से मां विशालाक्षी को मणिकर्णी देवी के नाम से भी जोड़ा जाता है. यह कथा मंदिर की धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है. 'विशालाक्षी' संस्कृत के दो शब्दों से बना है - विशाल और अक्षी. इसका अर्थ बड़ी या विशाल आंखों वाली देवी है. देवी को करुणा, ममता और भक्तों की रक्षा करने वाली शक्ति के रूप में पूजा जाता है. मंदिर के गर्भगृह में मां विशालाक्षी की प्रतिमा स्थापित है. यहां भैरव के रूप में काल भैरव की पूजा का भी उल्लेख मिलता है।

स्कॉलिंग से हो गए हैं बोर? तेजी से ट्रेंड कर रहा है 'हॉबी-मैक्सिंग', नई हॉबी के दीवाने हो रहे लोग

लगातार रील्स देखने और सोशल मीडिया स्कॉल करने से ऊब चुके लोग अब नई-नई हॉबी सीखने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं. जहां क्या है 'हॉबी-मैक्सिंग' का ट्रेंड और क्यों लोग अपने खाली समय में कुछ नया करना पसंद कर रहे हैं. सुबह उठते ही फोन चेक करना, खाली समय में सोशल मीडिया स्कॉल करना और रात को सोने से पहले रील्स देखते रहना आज कई लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है. लेकिन अब कुछ लोग इस आदत से बाहर निकलने के लिए अपने खाली समय में नई हॉबी सीखने पर ध्यान दे रहे हैं. कोई पेंटिंग कर रहा है, तो कोई बुनाई, कुकिंग, बागवानी या फोटोग्राफी सीख रहा है. इसी तरह अपनी पसंद के कामों को जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने की बढ़ती दिलचस्पी को 'हॉबी-मैक्सिंग' कहा जा रहा है. इसका मकसद सिर्फ समय बिताना नहीं, बल्कि स्क्रीन से दूर रहकर कुछ नया सीखना और खुद को बेहतर महसूस



करना भी है. हॉबी-मैक्सिंग का मतलब है अपने खाली समय का इस्तेमाल किसी पसंदीदा गतिविधि को सीखने, उसमें सुधार करने और उसे नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने

में करना. इसमें किसी एक शौक को गंभीरता से अपनाना या अलग-अलग हॉबी आजमाना शामिल हो सकता है. उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति हर दिन आधा घंटा किताब पढ़ने के लिए निकालता है, तो कोई वीकेंड पर मिट्टी के बर्तन बनाना, गिटार बजाना या नई रेसिपी तैयार करना सीखता है. इस ट्रेंड में हॉबी को केवल मनोरंजन के तौर पर नहीं देखा जाता, बल्कि इसे खुद के साथ

समय बिताने और रोजमर्रा की व्यस्तता से थोड़ा ब्रेक लेने का तरीका भी माना जाता है. खास बात यह है कि इसके लिए किसी महंगे कोर्स या बड़े सेटअप की जरूरत नहीं होती. अपनी पसंद और बजट के हिसाब से छोटी शुरुआत की जा सकती है. लगातार स्कॉलिंग से ब्रेक: सोशल मीडिया पर लगातार नई तस्वीरें, वीडियो और जानकारीयें देखने से कई लोगों को थकान या ऊब महसूस हो सकती है. ऐसे में कोई रचनात्मक काम करना उन्हें स्क्रीन से दूरी बनाने का मौका देता है. हालांकि, हर व्यक्ति पर इसका असर अलग हो सकता है. खुद के लिए समय निकालना: काम, पढ़ाई और दूसरी जिम्मेदारियों के बीच लोग अक्सर अपनी पसंद के कामों को नजरअंदाज कर देते हैं. हॉबी-मैक्सिंग उन्हें दिन में कुछ समय अपनी खुशी के लिए निकालने की प्रेरणा देता है. कुछ नया सीखने की इच्छा:

कोई नई भाषा सीखना, खाना बनाना या स्केचिंग करना व्यक्ति को नई स्किल विकसित करने का मौका देता है. धीरे-धीरे होने वाला सुधार आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद कर सकता है. मानसिक सुकून की तलाश: बागवानी, पेंटिंग, बुनाई और संगीत

जैसी गतिविधियां कुछ लोगों को तनाव से राहत महसूस कराने में मदद कर सकती हैं. किसी काम पर ध्यान केंद्रित करने से रोजमर्रा की चिंताओं से कुछ समय का विराम भी मिल सकता है. इसकी शुरुआत के लिए दिनभर में घंटों निकालने की

जरूरत नहीं है. सबसे पहले ऐसी गतिविधि चुनें जिसमें आपकी वास्तविक दिलचस्पी हो. शुरुआत रोजाना 15 से 20 मिनट से कर सकते हैं. अपनी तुलना दूसरों से करने के बजाय इस बात पर ध्यान दें कि आप क्या सीख रहे हैं और उसमें कितना आनंद आ रहा है।



अनुष्का शर्मा के इंटरव्यू संभालने वाली परिणीति चोपड़ा तीन महीने में बनीं उनकी को-स्टार

पीआर से एक्टिंग तक का सफ़र, किस्मत ने ऐसे बदली जिंदगी

मुंबई। मनोरंजन जगत के ग्लैमर और चमक-धमक में आमतौर पर स्टार्स और उनकी मैनेजर्स का रिश्ता सिर्फ काम और शेड्यूलिंग तक सीमित रहता है, लेकिन जब वही मैनेजर किसी फिल्म का हिस्सा बनकर पदों पर साथ खड़ी दिखे, तो यह किसी कुदरत के करिश्मे से कम नहीं है और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इस बात का बड़ा उदाहरण हैं।

ऐसे शुरू हुआ फिल्मी सफर

भारत लौटने के बाद परिणीति अपनी बहन प्रियंका चोपड़ा के जरिए यशराज फिल्मस के पब्लिक रिलेशंस और मार्केटिंग विभाग से जुड़ीं। 'बैंड बाजा बारात' के प्रमोशन के दौरान वह अनुष्का शर्मा और रणवीर सिंह जैसे कलाकारों के इंटरव्यू और प्रमोशन का काम संभालती थीं। इस दौरान उन्हें एहसास हुआ कि एक्टिंग का काम कितना क्रिएटिव है।



अनुष्का शर्मा



परिणीति चोपड़ा और रणवीर सिंह

इन दिनों में बनीं अभिनेत्री

कहा जाता है कि परिणीति कभी अभिनेत्री बनना ही नहीं चाहती थीं। उन्होंने मैनेज्स्टर बिजनेस स्कूल से बिजनेस, फाइनेंस और इकोनॉमिक्स में ट्रिपल ऑनर्स की डिग्री ली थी। उनका सपना ब्रिटेन में एक सफल इन्वेस्टमेंट बैंकर बनने का था, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया और उन्हें भारत लौटना पड़ा।

तीन महीने में मिला बड़ा मौका

कंपनी के कहने पर उन्होंने सिर्फ मजाक में एक डमी ऑडिशन दिया था, जिसमें उन्होंने फिल्म 'जब वी मेट' के 'गीत' के डायलॉग बोले थे। यह ऑडिशन टेप निर्माता आदित्य चोपड़ा ने देखा, तो वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने तुरंत परिणीति को 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल', 'इश्कजादे' और 'शुद्ध देसी रोमांस' जैसी फिल्मों का ऑफर दे दिया था।



“मैं बैंड बाजा बारात के लिए अनुष्का के इंटरव्यू हैंडल करती थी... फिर 3 महीने के अंदर हम को-स्टार बन गए। कूल है ना?”
- परिणीति चोपड़ा

करीब 2 साल बाद बैंड के साथ स्टेज पर लौटीं टेलर स्विफ्ट, 'टॉय स्टोरी 5' की टीम संग भी बिताया वक्त



विश्व केसरी ■
मुंबई। ग्रैमी अवॉर्ड विनर सिंगर टेलर स्विफ्ट ने अपनी एक यादगार शाम को झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। लॉस एंजिल्स के एकेडमी म्यूजियम में आयोजित इस खास मौके पर टेलर ने करीब दो साल बाद पहली बार अपने बैंड के साथ परफॉर्म किया।

सिंगर ने इस शाम को तस्वीरें और अपना अनुभव इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए म्यूजियम का शुक्रिया अदा किया। इस दौरान उन्हें अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉय स्टोरी 5' की टीम के साथ भी वक्त बिताने का मौका मिला।

टेलर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'म्यूजियम में बिताई ऐसी शाम, जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी। हमें आमंत्रित करने के लिए

एकेडमी म्यूजियम का शुक्रिया। करीब दो साल बाद दोबारा अपने बैंड के साथ परफॉर्म करना एक अलग ही एहसास था। साथ ही मुझे अपनी 'टॉय स्टोरी 5' की फैमिली के साथ बैठने और वक्त बिताने का मौका भी मिला।'

एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित लॉस एंजिल्स में है। यह म्यूजियम साल 2021 में खुला था और फिल्मों की दुनिया को समर्पित है। यहां सिनेमा के इतिहास, फिल्ममेकिंग, तकनीकी और इससे जुड़े कलाकारों के योगदान को दिखाया गया है। म्यूजियम में एकेडमी कलेक्शन का हिस्सा भी मौजूद है, जिसमें फिल्मों से जुड़ी बड़ी संख्या में ऐतिहासिक चीजें और रिकॉर्ड शामिल हैं।

टेलर स्विफ्ट दुनिया की सबसे पॉपुलर सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत कंट्री म्यूजिक से की थी, लेकिन बाद में पॉप म्यूजिक में भी अपनी अलग पहचान बनाई। 'टियरड्रॉप्स ऑन माई गिटार', 'लव स्टोरी' और 'यू बिलॉन्ग विद मी' जैसे गानों ने उन्हें बड़ी पहचान दिलाई। इसके बाद 'वी और नेबर एवर गेटिंग बैक टुगेदर', 'शेक इट ऑफ', 'ब्लैक स्पेस', 'बैड ब्लड' और 'लुक व्हाट यू मेड मी डू' जैसे गानों ने भी चार्ट्स पर शानदार प्रदर्शन किया।

टेलर स्विफ्ट के नाम कई बड़े अवॉर्ड भी हैं। वह 14 ग्रैमी अवॉर्ड जीत चुकी हैं और ग्रैमी के 'एल्बम ऑफ द ईयर' कैटेगरी में चार बार जीत दर्ज करने वाली पहली कलाकार हैं।

सिंटा कार्यकारी समिति चुनाव: सबसे ज्यादा वोट पाकर जीते पद्मिनी, पूनम और राकेश बेदी

विश्व केसरी ■
मुंबई। दिग्गज अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी और पूनम ढिल्लों ने मंगलवार को सिंटा कार्यकारी समिति के चुनाव में सबसे अधिक वोट प्राप्त करके जीत हासिल की।

पद्मिनी कोल्हापुरी को 604 वोट, पूनम ढिल्लों को 601 वोट, राकेश बेदी को 575 वोट, कंचनजीत पेंटल को 548 वोट, चंद्रप्रकाश ठाकुर को 514 वोट, अभय भार्गव को 439 वोट, घनश्याम श्रीवास्तव को 395 वोट, जया भट्टाचार्य को 392 वोट, टीना घई को 374 वोट, राजित कपूर को 340 वोट, शोभा आकाशदीप को 322 वोट, रमेश गोयल को 296 वोट, जितेंद्र सिंह को 284 वोट, मोहम्मद फारूक बंधुनिया को 272 वोट और रोहित रॉय को 268 वोट मिले।

चुनाव के बाद पूनम ढिल्लों ने आईएनएस को बताया, 'चुने हुए हर व्यक्ति के पास संविधान की प्रति

होनी चाहिए और उन्हें सिंटा के संविधान की जानकारी भी होनी चाहिए। यह सबसे महत्वपूर्ण है; उन्हें सिंटा के नियमों और विनियमों की जानकारी होनी चाहिए। इसलिए मैंने इस बार यही एक नई पहल की है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी यह सिलसिला जारी रहेगा कि हर सदस्य को संविधान की प्रति मिले और वह उसका पालन करे। उन्होंने आगे कहा कि इस बार मैंने शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जिसमें यह शपथ ली गई कि आप संविधान का पालन करेंगे, निष्पक्ष रहेंगे और कल्याणकारी कार्य करेंगे। इसलिए, मैंने अध्यक्ष के रूप में इन दो बातों को लागू किया है। पूनम ढिल्लों ने आगे बताया कि चुनाव में लगभग 670 सदस्यों ने भाग लिया, और कहा कि त्योहार की छुट्टी के दौरान मतदान होने के बावजूद मतदान प्रतिशत विशेष रूप से उत्साहजनक था।

अनुष्का सेन बनीं भारत की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर, कहा-‘दुनियाभर में सुनी जानी चाहिए हमारी कहानियां’

विश्व केसरी ■
मुंबई। टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन को 2026 न्यूपोर्ट बीच फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। इस खास सम्मान को लेकर अनुष्का ने खुशी जाहिर की है।

उन्होंने कहा कि भारत की कहानियों में इतनी ताकत है कि उन्हें दुनिया भर में सुना जाना चाहिए। यह सम्मान सिर्फ एक टाइटल नहीं बल्कि भारतीय टैलेंट और कहानियों को इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचाने का मौका है।

इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए अनुष्का ने कहा, 'न्यूपोर्ट बीच फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली ग्लोबल एंबेसडर बनना मेरे लिए ऐसा पल है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मेरे लिए यह सिर्फ एक टाइटल से कहीं ज्यादा है। यह उन कहानियों के बारे में



है, जिन्हें हम अपने साथ लेकर चलते हैं, उन सीमाओं के बारे में है जिन्हें हम पार करते हैं और उन रास्तों के बारे में है जिन्हें हम अपने बाद आने वालों के लिए खोलते हैं।'

गर्व महसूस कराने के लिए उसे किसी खास ढाँचे में फिट होने की जरूरत नहीं है। आप कहां से आते हैं, यही आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकता है। आपके सपने कभी भी आपके हालात की वजह से सीमित नहीं होने चाहिए।'

अनुष्का लगातार इंटरनेशनल एंटरटेनमेंट की दुनिया में नए मौके तलाश रही हैं। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि उनका सफर दूसरे युवाओं को भी अपने सपनों पर भरोसा करने और ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा, 'मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूँ कि मुझे यह अनुभव मिला रहा है। मैं चाहती हूँ कि ज्यादा से ज्यादा युवा भारतीयों को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिले। अगर मेरे सफर से किसी एक इंसान को भी खुद पर भरोसा करने और अपने सपनों की तरफ पहला कदम बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है, तो यह मेरे लिए बहुत मायने रखेगा।'

यामी गौतम के बड़े फैन निकले आदिनाथ कोठारे, बोले-‘वो बेहद सरल स्वभाव की हैं’

विश्व केसरी ■
मुंबई। अभिनेता आदिनाथ कोठारे फिल्म 'नई नवेली' में अभिनेत्री यामी गौतम के पति के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह यामी गौतम के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभिनेत्री का स्वभाव बहुत ही सादा, मददगार और बात करने में आसान है। अभिनेता ने आईएनएस के साथ बातचीत में बताया, 'मैं यामी का बहुत बड़ा फैन हूँ और फिल्म में उनके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वह बहुत ही सरल स्वभाव की हैं और उनसे बात करना बेहद आसान है। वह अपने आपपास के सभी लोगों को बहुत कम्पर्टेबल महसूस कराती हैं।'

उन्होंने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि सभी लोग कोशिश कर रहे थे कि पूरी टीम एक परिवार की तरह सहज महसूस करे। उन्होंने कहा, 'सभी लोग ईमानदारी और सकारात्मकता के साथ काम कर रहे थे और कोशिश कर रहे थे कि



पूरी टीम तनावमुक्त होकर काम करे। यह बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि इसका श्रेय निर्देशक बालाजी मोहन और निर्माता आनंद सर को जाता है, जिन्होंने कलाकारों की इतनी शानदार टीम को एक साथ लाया

और फिर उन्हें खुलकर काम करने दिया।'

अभिनेता ने कहानी की सराहना करते हुए कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है, जिससे बड़ों से लेकर बच्चों तक सभी ने जुड़ाव महसूस किया है और यही कारण है कि इसे पसंद किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि फिल्म की कहानी बहुत खूबसूरत है और बच्चों से लेकर बड़ों तक ने फिल्म को पसंद किया है। कहानी पौराणिक कथाओं की दुनिया से जुड़ी हुई है और इसी वजह से इसमें एक अलग रोमांच और उत्साह है। सभी कलाकारों ने भी इसमें बहुत बड़ा योगदान दिया है। मुकेश सर, आनंद सर और बाकी सभी ने बहुत अच्छा काम किया है। मुझे सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। उन्होंने कहा, 'हमारे निर्देशक बालाजी मोहन के लिए यह फिल्म बनाना बहुत मुश्किल था क्योंकि इसमें कई कलाकार, फैटैसी, वीएफएक्स और एक्शन था। लगभग हर सीन में कम से कम छह-सात कलाकार होते थे।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस: बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों के वॉयस सैंपल से मिलाई जाएगी धमकी भरे ऑडियो की आवाज



विश्व केसरी ■
मुंबई। बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले की जांच में अब धमकी भरे ऑडियो क्लिप की आवाज की पहचान करने पर फोकस किया जा रहा है। मुंबई पुलिस इस ऑडियो की आवाज का मिलान पंजाब, दिल्ली और राजस्थान पुलिस के पास मौजूद 'वॉयस बैंक' से करने की तैयारी कर रही है।

इन वॉयस बैंक में कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों की आवाज के सैंपल मौजूद हैं। जांच एजेंसियां इन रिकॉर्डिंग की मदद से पता लगाने की कोशिश करेंगी कि वायरल ऑडियो में सुनाई देने वाली आवाज किसकी है और क्या उसका संबंध गैंग से जुड़े किसी व्यक्ति से है।

मुंबई पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के मुताबिक, इस बार जांच के दायरे में अनिल पंडित की आवाज से जुड़ी कथित ऑडियो क्लिप भी है, जो टाइगर श्रॉफ को धमकी दिए जाने के बाद सामने आई थी। हालांकि, इस ऑडियो की प्रामाणिकता की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पुलिस आवाज का मिलान करने के साथ यह भी जांच करेगी कि ऑडियो में सुनाई देने वाला व्यक्ति वास्तव में कौन है।

सूत्रों का कहना है कि धमकी भरे ऑडियो की जांच में सबसे बड़ी चुनौती आवाज की पहचान करना है क्योंकि अलग-अलग मामलों में अलग नाम और अलग आवाजों के जरिए धमकियां दिए जाने की बात सामने आती रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के पास बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों के 200 से ज्यादा ऑडियो सैंपल का डेटाबेस है। वहाँ, पंजाब और राजस्थान पुलिस के पास भी ऐसे वॉयस बैंक मौजूद हैं। इन रिकॉर्डिंग की मदद से संदिग्ध आवाज का मिलान किया जा सकता है। इससे जांच एजेंसियों को यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि धमकी भरे ऑडियो का संबंध किसी पुराने मामले या पहले से जांच के दायरे में रहे व्यक्ति से है या नहीं। इससे पहले सलमान खान, आमिर खान, रोहित शेट्टी और बाबा सिद्दीकी समेत अन्य लोगों को मिली कथित धमकियों से जुड़े ऑडियो क्लिप की जांच में भी इसी तरह वैरिफिकेशन किया गया था।

भारतीय दूत ने गुयाना के राष्ट्रपति को अपना परिचय पत्र सौंपा, संबंध मजबूत करने पर दिया जोर

विश्व केसरी ■
जॉर्जटाउन। भारत के उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने एक आधिकारिक समारोह में गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली को अपना परिचय पत्र सौंपा।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया।

गुयाना में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया 'प्लेटफॉर्म' 'एक्स' पर लिखा, 'उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने आज राजधानी जॉर्जटाउन में गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली को अपना परिचय पत्र सौंपा। दोनों के बीच बातचीत हुई जिसमें भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया, साथ ही कई क्षेत्रों में



मौजूद अपर सभावानों का लाभ उठाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा अगस्त में गुयाना दौरे पर गए थे। उन्होंने वहां देश की आजादी की 60वीं वर्षगांठ और भारत-गुयाना राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के जश्न में

शामिल होना सम्मान की बात है। चूंकि गुयाना स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय जैसे स्थायी मूल्यों का जश्न मना रहा है, ऐसे में भारत एक भविष्योन्मुखी साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।'

उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग, जो साझा इतिहास और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल नवाचार, क्षमता निर्माण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, 'हम अपने लोगों के लाभ के लिए भारत-गुयाना संबंधों को और मजबूत करने की उम्मीद करते हैं। जून में, गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सरकार प्रमुख के रूप में रहने पर बधाई दी थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी आवाज मजबूत की है और देश के भीतर विकास की दिशा में साहसिक कदम उठाए हैं।



दक्षिण कोरिया को युद्धकालीन सैन्य कमान सौंपने पर अमेरिका सतर्क

विश्व केसरी ■
सोल। दक्षिण कोरिया को युद्धकालीन सैन्य अभियान नियंत्रण (ओपकॉन) सौंपने की प्रक्रिया को लेकर अमेरिका सतर्कता बरत रहा है। उसके मुताबिक दोनों देशों के बीच तय शर्तों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन कोरियाई प्रायद्वीप में सुरक्षा खतरों का स्वरूप पहले की तुलना में तेजी से बदल रहा है। हाल ही में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने युद्धकालीन सैन्य कमान जल्द अपने देश को सौंपने की मांग दोहराई थी।

समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा, 'युद्धकालीन सैन्य अभियान नियंत्रण के हस्तांतरण की बुनियादी शर्तें पहले जैसी ही हैं, लेकिन क्षेत्र में खतरे का माहौल तेजी से बदल रहा है।' अधिकारी ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया को गठबंधन के सामने मौजूद सभी क्षेत्रीय खतरों

को रोकने और उनका मुकाबला करने के लिए तैयार रहना चाहिए। अधिकारी की यह टिप्पणी उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों में तेजी से हो रही प्रगति को लेकर अमेरिकी चिंताओं के बीच आई है।

अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने भी स्पष्ट किया कि युद्धकालीन सैन्य कमान का हस्तांतरण दोनों देशों के बीच सहमति से तय शर्तों पर आधारित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का हस्तांतरण तभी होगा, जब जरूरी शर्तें पूरी हो जाएंगी।

अमेरिका इस प्रक्रिया के अंतिम फैसले या परिणाम को लेकर पहले से कोई निष्कर्ष नहीं निकालना चाहता।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने सोमवार को कहा, 'युद्धकालीन सैन्य अभियान नियंत्रण जल्द दक्षिण कोरिया को वापस मिलना चाहिए। सोल क्षमतावान है और इस दिशा में अमेरिका के साथ बातचीत भी आगे बढ़ रही है।'

ली प्रशासन की कोशिश है कि 2030 में राष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होने से पहले यह प्रक्रिया पूरी हो जाए।

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान की बड़ी आबादी मुखमरी की कगार पर : संयुक्त राष्ट्र

विश्व केसरी ■
काबुल। अफगानिस्तान में करीब 1.6 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं, जिनमें से 34 लाख लोग भुखमरी के आपातकालीन (आईपीसी 4) स्तर पर हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने यह जानकारी दी है। स्थानीय मीडिया की बुधवार की रिपोर्ट के अनुसार, सर्दियों में हालात और बिगड़ने की आशंका है। यूएन ओसीएचए की प्रवक्ता ओल्ला चेरेव्को ने दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान दौरे के बाद यह बयान दिया। अफगानिस्तान की समाचार एजेंसी 'खामा प्रेस' के अनुसार, उन्होंने बताया कि बेरोजगारी, कम आय और जरूरी सेवाओं तक सीमित पहुंच के कारण लाखों परिवार अभी भी पर्याप्त भोजन नहीं खरीद पा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की यह चेतावनी अगले कुछ महीनों की विषम स्थिति को देखते हुए सामने आई है। सर्दियों के मौसम में लोगों को अक्सर रोजगार की तलाश और भोजन खरीदने में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ओल्ला चेरेव्को ने कहा कि वर्षों के संघर्ष, आर्थिक समस्याओं, सूखे और बार-बार आए संकटों ने अफगानिस्तान के लोगों की किसी भी नए झटके या संकट का सामना करने की क्षमता को कमजोर कर दिया है।



कोटा नाव हादसा: 18 घंटे की तलाश के बाद लापता चार युवकों के शव बरामद

विश्व केसरी ■
जयपुर। राजस्थान के कोटा जिले में एक नहर में नाव पलटने के बाद लापता हुए चार युवकों के शव बुधवार सुबह दुर्घटना के लगभग 18 घंटे बाद बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि ये शव दुर्घटना वाली जगह से लगभग 100 मीटर आगे (पानी के बहाव की दिशा में) मिले। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों ने बुधवार सुबह 5.30 बजे तलाशी अभियान फिर से शुरू किया। विकास वर्मा उर्फ सुमन (22) और सूरज सिंह (22) के शव सबसे पहले बरामद किए गए। कुछ घंटों बाद आशु जोशी (19) और राहुल जोशी (18) के शव भी बरामद किए गए। आशु और राहुल चचेरे भाई थे। यह हादसा मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुआ। नाव पलटने से सात लोग पानी में बह गए थे, लेकिन एक महिला और नाव चलाने वाले (नौबिक) सहित सिर्फ तीन लोग सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। बताया गया कि यह हादसा उसी दिन हुआ, जब नहर में पानी छोड़ा गया था। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान अचानक हुए इस हादसे के बाद प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। अतिरिक्त एसपी सुभाष चंद्र मिश्रा के अनुसार, अंधेरा होने के कारण बचाव अभियान मंगलवार रात 10.30 बजे तक रोक दिया गया। बुधवार सुबह टीमों ने फिर से तलाशी अभियान शुरू किया। एसडीआरएफ की प्रभारी एकता हाडा ने बताया कि बचाव कार्य के लिए छह नावें लगाई गई थीं, जिनमें से तीन एनडीआरएफ से और तीन एसडीआरएफ से हैं।



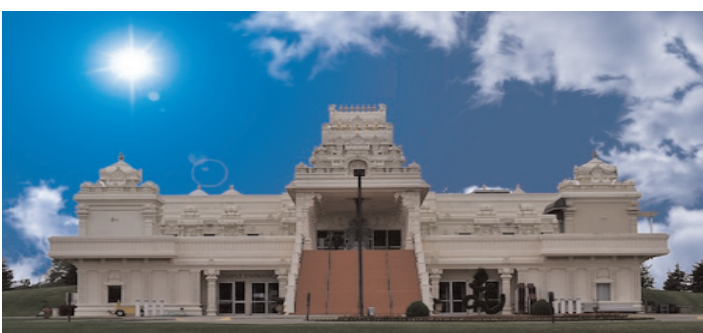
इलिनोइस हिंदू मंदिर पर हमले की कोशिश, 105 अमेरिकी लॉ मेकर्स ने एफबीआई जांच की मांग की

विश्व केसरी ■
वाशिंगटन। अमेरिका के इलिनोइस में एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी की कोशिश के मामले में 105 अमेरिकी लॉ मेकर्स ने एफबीआई (फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) से जांच की मांग की है।

लॉ मेकर्स ने इसे संभावित संघीय हेत क्राइम के तौर पर जांच करने को कहा है और भारतीय-अमेरिकी तथा अन्य दक्षिण एशियाई समुदायों के खिलाफ बढ़ते खतरों को लेकर चेतावनी दी है।

इस द्विदलीय अपील की अगुवाई भारतीय-अमेरिकी लॉ मेकर्स राजा कृष्णमूर्ति ने की, जो 11 अक्टूबर को जब हमले की कोशिश हुई तब अपने परिवार के साथ ऑरोरा के श्री वेंकटेश्वर स्वामी (बालाजी) मंदिर में पूजा कर रहे थे।

मंगलवार को एफबीआई निदेशक काश पटेल को लिखे पत्र में लॉ मेकर्स ने इस घटना की व्यापक जांच की मांग की, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या आरोपी ने नस्लीय और धार्मिक नफरत के कारण यह कदम उठाया और क्या दूसरों ने कथित



हमले की योजना बनाने या उसे बढ़ावा देने में मदद की।

हस्ताक्षर करने वालों में कांग्रेस के सभी भारतीय-अमेरिकी सदस्य, इलिनोइस अभियोजकों का आरोप है कि खुद को नव-नाजी बताने वाले पापोराफिस ने हिंदू पूजा स्थल पर भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ हिंसा का वर्णन करते हुए आठ पन्नों का श्वेत चर्चस्ववादी घोषणापत्र तैयार किया था।

कांग्रेसी पत्र के अनुसार, जांचकर्ताओं ने एक राइफल, सैकड़ों गोलियां, बाँडी राइफल में खराबी के बाद भाग गया। आर्मर और श्वेत चर्चस्ववादी तस्वीरें बरामद की हैं।

जम्मू-कश्मीर के एक युवा किसान ने विकसित किया खीरे का हाइब्रिड पौधा, एक पौधे से 100 किलो तक उत्पादन का दावा

विश्व केसरी ■
डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्र गुंडोह से कृषि नवाचार की एक अनोखी कहानी सामने आई है। यहां के 19 वर्षीय युवा किसान यावर सलीम ने खीरे का एक ऐसा हाइब्रिड पौधा विकसित करने का दावा किया है, जिससे प्रति पौधा लगभग 100 किलोग्राम तक खीरे की पैदावार हो सकती है।

यावर सलीम ने आईएनएस से बातचीत में अपने इस प्रयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्हें बचपन से ही खेतीबाड़ी का शौक है और उनका परिवार पीढ़ियों से जमींदारी से जुड़ा रहा है। इसी रुचि के चलते उन्होंने खीरे की नई किस्म विकसित करने पर काम किया।

यावर के मुताबिक, उन्होंने दो अलग-अलग किस्म के हाइब्रिड पौधों को मिलाकर एक नया पौधा तैयार किया है। उनका दावा है कि



इस नए पौधे से कम से कम 100 किलोग्राम के आसपास खीरे की पैदावार होती है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य इस तकनीक को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाना है ताकि यह पूरे देश और दुनिया में फैल सके।

यावर सलीम ने कहा कि उनके परिवार का गुजर-बसर इसी खेती पर निर्भर है और वे खीरे बेचकर लाखों रुपये की कमाई कर रहे हैं। उनका मानना है कि अन्य किसान भी इस तरह के प्रयोग कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केरल के पूर्व सीएम विजयन के खिलाफ जांच पर एक सप्ताह के लिए लगाई रोक

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनारayi विजयन, उनकी बेटी वीणा और दामाद मोहम्मद रियास को बड़ी राहत दी। अदालत ने तीनों के खिलाफ कोचीन मिनरल्स एंड रूलाइट लिमिटेड (सीएमआरएल)-एक्ससर्लाजिक सॉल्यूशंस के मामले में चल रही जांच पर अंतरिम रोक लगाई है।

यह रोक एक हफ्ते तक लागू रहेगी, ताकि पिनाराई विजयन इस मामले में अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के सिंगल-जज के आदेश के खिलाफ केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच से इस अपील कर सकें। हाईकोर्ट की सिंगल जज ने प्रवर्तन निदेशालय (इंडी) की सिफारिश के आधार पर विजयन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। कथित सीएमआरएल-एक्ससर्लाजिक



रिश्वत मामले में केरल हाईकोर्ट के एफआईआर दर्ज करने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। बुधवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस जय्यामल्य बागवी और जस्टिस जी. मोहना की बेंच ने केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच से इस मामले में सुनवाई करने को कहा। साथ ही, हाईकोर्ट की जल्दबाजी पर सवाल उठाए। बेंच ने कहा कि दूसरे पक्ष को सुनना चाहिए था।

कोर्ट ने कहा, 'राज्य सरकार ने पहले ही शुरुआती जांच के लिए

एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया है। इसलिए, हाईकोर्ट को इतनी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी और विजयन का पक्ष सुने बिना एफआईआर दर्ज करने का आदेश नहीं देना चाहिए था। यह मामला कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और वीना की कंपनी 'एक्ससर्लाजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' के बीच हुए वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी 'इंडिया केम 2026' में ओडिशा के निवेश प्रयासों का नेतृत्व करेंगे

विश्व केसरी ■
भुवनेश्वर। ओडिशा 22 अक्टूबर को मुंबई में आयोजित होने वाले 'इंडिया केम 2026' में रासायनिक और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में अपनी निवेश क्षमता का प्रदर्शन करेगा। राज्य का उद्देश्य नए निवेश आकर्षित करना और एक उभरते औद्योगिक गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी अपने दो दिवसीय मुंबई दौरे के दौरान उद्घाटन सत्र और सीईओ गोलेमज समेलन में भाग लेंगे, जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय रसायन, उर्वरक और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा करेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य नए निवेश आकर्षित करना और रासायनिक और



पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में एक उभरते औद्योगिक गंतव्य के रूप में ओडिशा की स्थिति को मजबूत करना है।

राज्य की भागीदारी से उसकी औद्योगिक ताकत, निवेश के लिए तैयार बुनियादी ढांचा, प्रगतिशील नीतियां और रासायनिक एवं पेट्रोकेमिकल विनिर्माण के बढ़ते पारिस्थितिकी तंत्र को उजागर किया जा सकेगा। यह कार्यक्रम ओडिशा को उद्योग जगत के नेताओं से

सीधे जुड़ने, नए निवेश के अवसर प्रस्तुत करने और औद्योगिक विकास के अगले चरण के लिए साझेदारी तलाशने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

इस दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री का रसायन और पेट्रोकेमिकल उद्योगों के बैठकें करने का कार्यक्रम है, जिसमें 20 से अधिक प्रमुख कंपनियों के साथ चर्चा की योजना है। इन वार्ताओं का मुख्य केंद्र संभावित निवेश, औद्योगिक विस्तार, डाउनस्ट्रीम विनिर्माण और ओडिशा में नए औद्योगिक उद्यम स्थापित करने के अवसर होंगे।

राज्य की भागीदारी का एक प्रमुख आकर्षण कोयला गैसीकरण परियोजना पर प्रस्तुति होगी।

देश के खिलाफ साजिश रचने वाली ताकतों को काबू में किया जा रहा है: हिमंता बिस्वा सरमा

विश्व केसरी ■
गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को लोगों को विजयादशमी की बधाई दी। उन्होंने इस त्योहार को अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक बताया और दावा किया कि देश के खिलाफ साजिश रचने वाली ताकतों को अब काबू में किया जा रहा है।

एक्स पर एक पोस्ट में सरमा ने सनातन संस्कृति का जिक्र किया और विजयादशमी के महत्व को बुराई पर अच्छाई की जीत से जोड़ा। उन्होंने कहा कि



देश के हितों के खिलाफ काम करने वाली ताकतें इस त्योहार के आते ही शांत हो गई हैं। हमारी शाश्वत सनातन संस्कृति आते ही, जो बुरी ताकतों के साथी देख रहे हैं कि विजयादशमी के आते ही देश के खिलाफ

सरमा ने दोहराया कि यह त्योहार 'शक्ति' की बुरी ताकतों पर जीत का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत की परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों की अनुरूप, बुराई पर अच्छाई की जीत का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

सरमा ने कहा कि आज का दिन बुरी ताकतों पर 'शक्ति' की जीत का दिन है। जैसा कि आपने देखा है, विजयादशमी के करीब आते ही, जो बुरी ताकतों के साथी थे, वे अब दब गई हैं। हम हमेशा बुराई पर अच्छाई की जीत देखेंगे। यह हमारी परंपरा के अनुसार आगे भी जारी रहेगा।

विजयादशमी, जिसे दशहरा के नाम से भी जाना जाता है, पूरे भारत में बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाई जाती है। हिंदू परंपरा में, यह त्योहार भगवान राम की रावण पर जीत और देवी दुर्गा की राक्षस महिषासुर पर विजय से जुड़ा है।

असम में इस त्योहार का विशेष महत्व है, जहां दुर्गा पूजा का समापन मूर्तियों के विसर्जन और धार्मिक जुलूसों के साथ होता है।

प्रीति पाल का कमाल, 200 के बाद 100 मीटर दौड़ में भी जीता सिल्वर मेडल

विश्व केसरी ■
नागोया। भारत की प्रीति पाल ने बुधवार को एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिलाओं की 100 मीटर टी35 दौड़ स्पर्धा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

प्रीति पाल ने 29.53 सेकंड का शानदार समय निकालते हुए सिल्वर मेडल जीता। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में यह उनका दूसरा मेडल है। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने 200 मीटर टी35 स्पर्धा में भी सिल्वर मेडल जीता था। प्रीति एक जानी-मानी भारतीय पैरा एथलीट हैं। उन्होंने पैरालंपिक्स में

दो ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल, तथा इंडियन ओपन टूर्नामेंट्स में चार गोल्ड मेडल जीते हैं। उन्होंने नई दिल्ली ग्रां प्री में भी एक गोल्ड मेडल हासिल किया है।

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाके में एक किसान परिवार में जन्मी प्रीति को जन्म के समय से ही शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जन्म के बाद उनके शरीर के निचले हिस्से पर छह दिनों तक प्लास्टर लगाया पड़ा था। पैरों की कमजोरी और उनके असामान्य आकार के कारण उन्हें कई तरह की



बीमारियों का खतरा रहता था।

प्रीति ने अपने पैरों को मजबूत करने के लिए कई पारंपरिक इलाज कराए, लेकिन पांच साल की उम्र में उन्हें कैलिपर्स (सहारा देने वाले उपकरण) पहनने पड़े, जिन्हें उन्होंने आठ साल तक पहना। कई लोगों को उनके जीवित रहने पर भी संदेह था लेकिन उन्होंने एक योद्धा की तरह जीवन के लिए खतरनाक स्थितियों को पार किया और अद्भुत ताकत व सहनशक्ति का परिचय दिया। 17 साल की उम्र में सोशल मीडिया पर पैरालंपिक्स गेम्स के क्लिप्स देखकर उनकी रुचि पैरा-स्पोर्ट्स में जगी।

एथलेटिक्स की प्रैक्टिस शुरू करने के कुछ वर्षों बाद उनकी मुलाकात अपनी मेंटर और पैरालंपियन फातिमा खातून से हुई, जिससे उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव आया। फातिमा से प्रेरित होकर प्रीति ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और 2023 में हांगझू एशियन पैरा गेम्स में अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति दर्ज कराई। प्रीति ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मेडल जीता, जहां उन्होंने 2024 में 100 मीटर और 200 मीटर, दोनों स्पर्धाओं में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

शीतल-पायल ने कंपाउंड विमेंस डबल्स में जीता सिल्वर मेडल

विश्व केसरी ■
नागोया। जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 में शीतल देवी और पायल नाग ने बुधवार को कंपाउंड विमेंस डबल्स में सिल्वर मेडल जीता।

भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीन की जू जुएफिंग और झाओ जिंग की जोड़ी से 141-150 से मिली हार के कारण सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

शीतल-पायल की जोड़ी को सिल्वर मेडल जीतने पर खेल मंत्री मनसुख मोडविया ने बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'शीतल देवी और पायल नाग को एशियन पैरा गेम्स 2026 में पैरा कंपाउंड महिला डबल्स में सिल्वर मेडल जीतने पर हार्दिक बधाई।'।

कंपाउंड इंडिविजुअल में डिफेंडिंग चैंपियन शीतल ने सोमवार को अपने एशियन पैरा गेम्स आइची-नागोया 2026 कैपेन की शानदार शुरुआत की और कंपाउंड विमेंस क्वालीफिकेशन में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। इसके बाद उन्होंने कंपाउंड विमेंस



डबल्स क्वालीफिकेशन में चार पैरों से बनाई। उनके कुल 1379 स्कोर ने नए विकलांग तीरंदाज पायल के साथ टीम एशियन और गेम्स रिकॉर्ड बनाए, जो पिछले

एशियन रिकॉर्ड 1378 से आगे निकल गए। पायल ने 675 पॉइंट्स दिए, जिससे भारतीय जोड़ी महिला डबल्स रैंकिंग में टॉप पर पहुंची।

शीतल ने तोमन कुमार के साथ मिलकर मिक्स्ट टीम राउंड में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया, जबकि ओकाजाकी में रिकॉर्ड टूट रहे थे। 18 साल की इस खिलाड़ी ने संभावित 720 में से 704 पॉइंट्स बनाए, जो तुर्किये की ओजनूर क्यू गिरडी के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी करते हैं। शीतल ने मार्च में बैंकाक में बनाए अपने 698 के एशियन रिकॉर्ड में भी छह पॉइंट्स का सुधार किया और एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड 680 से बढ़ाकर 704 कर दिया। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी शीतल ने कुमार के साथ मिलकर मिक्स्ट टीम क्वालिफिकेशन में 1402 पॉइंट्स बनाए, जिससे भारत का ही बनाया 1400 का पिछला वर्ल्ड रिकॉर्ड टूट गया।

प्रवीण ने पुरुषों की हाई जंप टी64 में गोल्ड और बंटी ने सिल्वर जीता



विश्व केसरी ■
नागोया। भारत ने बुधवार को यहां आइची-नागोया 2026 एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों की हाई जंप टी64 में पहले और दूसरे स्थान पर रहने का जश्न मनाया, जिसमें प्रवीण कुमार ने गोल्ड और बंटी ने सिल्वर जीता। खेल मंत्री मोडविया ने प्रवीण और बंटी को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी है।

मोडविया ने एक्स पर लिखा, 'रिकॉर्ड तोड़ने वाला डबल पोटियम। टॉप्स एथलीट प्रवीण कुमार को 2.05 मीटर के शानदार नए गेम्स रिकॉर्ड के साथ अपना गोल्ड बचाने के लिए और बंटी को एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की हाई जंप टी64 में 1.92 मीटर के शानदार पर्सनल बेस्ट के साथ सिल्वर मेडल जीतने के लिए बहुत-बहुत बधाई।'।

दो बार के पैरालंपिक मेडलिस्ट प्रवीण ने अपना टाइटल बचाने और पोटियम में टॉप पर रहने के लिए 2.05 मीटर की गोल्ड रिकॉर्ड ऊंचाई को सफलतापूर्वक पार किया। 1.92 मीटर से अपनी प्रतियोगिता शुरू करते हुए, उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने वाला परफॉर्मेंस दिया।

प्रवीण ने सबसे पहले 2 मीटर की जंप के साथ जकार्ता 2018 में उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव द्वारा बनाए गए 1.95 मीटर के गेम्स रिकॉर्ड को तोड़ा। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी कोशिश में 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करके इसे और बेहतर बनाया। बंटी ने 1.92 मीटर की निजी बेस्ट जंप के साथ सिल्वर मेडल जीता, जिससे इस इवेंट में भारत के सिल्वर मेडल जीतने के लिए यादगार डबल पोटियम फिनिश पूरा हुआ।

रवि रोंगाली ने भारत को दिलाया एक और मेडल, पुरुषों के शॉट पुट एफ40 इवेंट में जीता ब्रॉन्ज

विश्व केसरी ■
नागोया। भारत के रवि रोंगाली ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों के शॉट पुट एफ40 इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 10.02 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ श्रो दर्ज किया।

रोंगाली ने अपने दूसरे प्रयास में मेडल हासिल किया। इससे पहले, उन्होंने अपने पहले प्रयास में 9.21 मीटर का श्रो किया था। उनका तीसरा प्रयास फाउल रहा जबकि चौथे प्रयास में उन्होंने 9.95 मीटर और पांचवें प्रयास में 9.63 मीटर की दूरी तय की। उनका छठा और अंतिम प्रयास भी फाउल रहा।

इराक के घरह तनाइश ने 10.78 मीटर के श्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता जबकि मलेशिया के गन-एडें गनसुख ने 10.30 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। इस ब्रॉन्ज मेडल के साथ रवि रोंगाली की महाद्वीपीय पैरा-स्पोर्ट्स इवेंट में उपलब्धियों में एक और मेडल जुड़ गया है। हांगझोऊ में हुए एशियन पैरा गेम्स



2023 में उन्होंने पुरुषों के शॉट पुट एफ40 इवेंट में 9.92 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ श्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता था। तब वह तनाइश के पीछे रहे थे, जिन्होंने 10.80 मीटर के श्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

इससे पहले, आयुष वर्मा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ53 इवेंट में

गोल्ड मेडल जीता। आयुष ने 8.16 मीटर का सर्वश्रेष्ठ श्रो किया। उन्होंने ईरान के अलीरेजा हेमामी (8.09 मीटर - सिल्वर मेडल) और कजाकिस्तान के मखाम्बेट सेरिकालीयेव (6.81 मीटर - ब्रॉन्ज मेडल) को पीछे छोड़ा।भारत ने पुरुषों के शॉट पुट एफ46 इवेंट में भी तीनों मेडल अपने नाम किए।

पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप गावित ने जीता गोल्ड, बेसिल के नाम सिल्वर

विश्व केसरी ■
नागोया। एशियन पैरा गेम्स की पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भारत ने एक और यादगार प्रदर्शन किया। दिलीप गावित (टी46 वर्ग) ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, जबकि मोहम्मद बेसिल मोर्सिंगनाकाथी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

दिलीप गावित (टी46 कैटेगरी) ने 10.69 सेकंड के शानदार समय के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, बेसिल (टी47 कैटेगरी) ने 10.72 सेकंड का समय निकालकर सिल्वर मेडल जीता और इस स्पर्धा में एक नया 'गेम्स रिकॉर्ड' भी बनाया।

इन दोनों खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 जैसा ही प्रदर्शन दोहराया, जहां दिलीप गावित ने मेंस 100 मीटर टी47 इवेंट में 'गेम्स रिकॉर्ड' के साथ गोल्ड मेडल जीता था, जबकि बेसिल मोर्सिंगनाकाथी ने सिल्वर मेडल हासिल करके भारत के लिए 1-2 की शानदार जीत पक्की की थी।



इससे पहले, दिलीप गावित एशियन इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था, जो इन पैरा गेम्स 2022 में मेंस 400 मीटर टी47 खेलों में भारत का ऐतिहासिक 100वां

मेडल था। उन्होंने पेरिस 2024 पैरालंपिक्स में भी पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर देश को गौरवान्वित किया।

महाराष्ट्र के नासिक के पास स्थित तोरण डोंगारी नामक गांव में जन्मे दिलीप गावित एक साधारण किसान परिवार में पले-बढ़े। उनके जीवन में एक बड़ा मोड़ तब आया, जब 5-6 साल की उम्र में वे एक पेड़ से गिर गए, जिससे उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लग गई।

समय पर इलाज न मिल पाने के कारण, चोट वाली जगह पर गैंग्रीन हो गया, जिसके चलते उनके हाथ को कोहनी के नीचे से काटना पड़ा। इतने बड़े झटके के बावजूद, गावित ने इसे अपने भविष्य पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने पैरा-एथलेटिक्स में अपना करियर बनाकर दौड़ने के अपने जुनून को पूरा किया। अपने गांव की धूल भरी सड़कों पर अभ्यास करते हुए, उनकी प्रतिभा को बाद में कोच वैजनाथ काले ने पहचाना, जिन्होंने उन्हें पेशेवर पैरा-एथलेटिक्स की राह दिखाई।

प्रणव देसाई ने मेंस 100 मीटर टी64 इवेंट में देश के लिए जीता ब्रॉन्ज मेडल

विश्व केसरी ■
नागोया। एशियन पैरा गेम्स 2026 में बुधवार को प्रणव देसाई ने पुरुषों की 100 मीटर टी64 स्पर्धा में 11.96 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। एशियन पैरा गेम्स 2022 में प्रणव 11.91 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। 0.05 सेकंड के समय के अंतर के बावजूद प्रणव देसाई ने अपनी रैंकिंग में एक स्थान का सुधार किया है।

टी64 खेल वर्ग उन एथलीट्स के लिए होता है जिनके निचले अंग (लोअर लिम्ब) प्रभावित होते हैं और जो कृत्रिम अंग (प्रोस्थेसिस) के सहारे प्रतियोगिता करते हैं। इसमें अंग की कमी (लिंब डिफिशिएंसी) या दोनों पैरों की लंबाई में अंतर वाले खिलाड़ी शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र के ठाणे के रहने वाले प्रणव जन्म से ही घुटने के नीचे से दाहिना पैर नहीं होने (एम्प्यूटी) की स्थिति से जूझ रहे हैं। वे साल 2017 से पैरा खेलों में हिस्सा ले रहे हैं और टी64 स्प्रिंट स्पर्धाओं (100 मीटर और 200 मीटर) में भाड़ि हैं। कड़ी



मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के दम पर, प्रणव लगातार अपनी सीमाओं को पार करते हुए गर्व के साथ भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

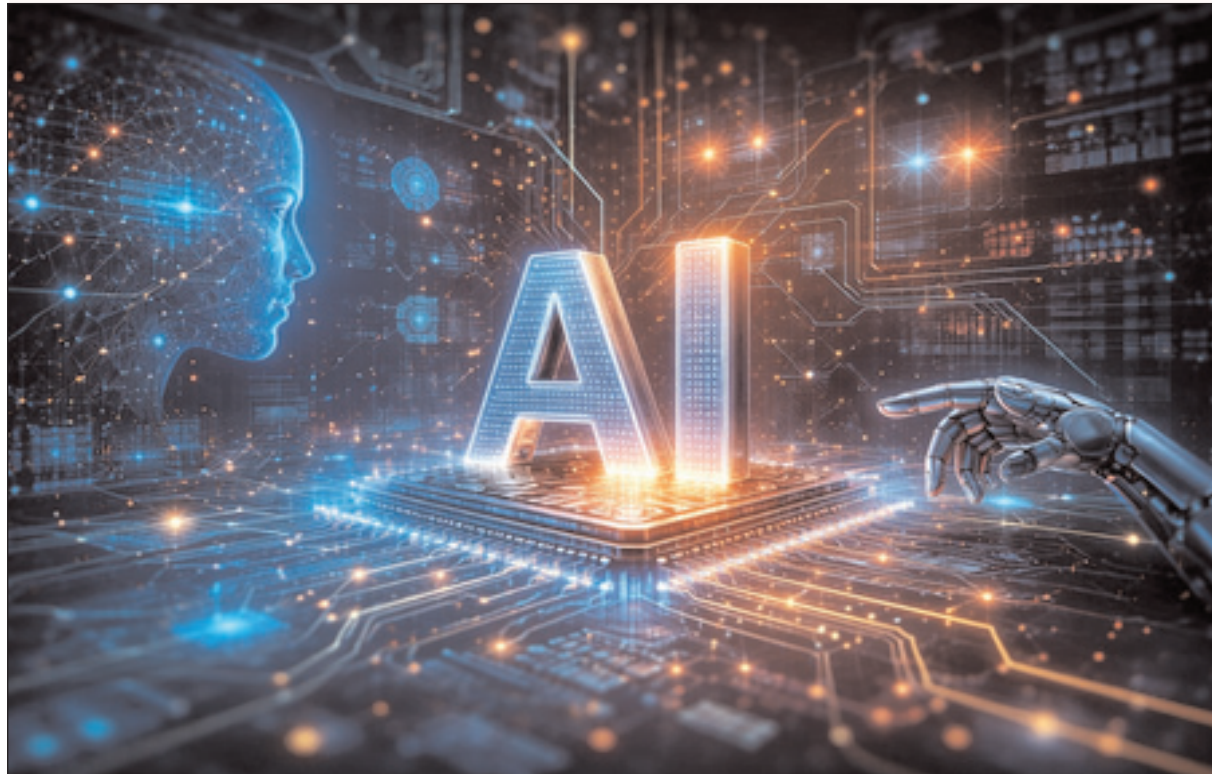
इससे पहले, एशियन पैरा गेम्स की पैरा एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत ने एक और यादगार प्रदर्शन किया। पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप गावित महादु (टी46 श्रेणी) ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकाथी ने सिल्वर हासिल किया।

गावित महादु (टी46 श्रेणी) ने 10.69 सेकंड के शानदार समय के

साथ गोल्ड मेडल जीता। भारत की इस सफलता में बासिल (टी47 श्रेणी) ने 10.72 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया और इस स्पर्धा में एक नया 'गेम्स रिकॉर्ड' भी बनाया।

इन दोनों खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के अपने प्रदर्शन को दोहराया, जहां दिलीप गावित ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में 'गेम्स रिकॉर्ड' के साथ गोल्ड मेडल जीता था, जबकि बासिल मोर्सिंगनाकाथी ने रजत पदक हासिल करके भारत का दबदबा कायम किया था।

भारत में एआई बूम से शेयर बाजार के मूल्यांकन में हो सकती है 100 अरब डॉलर की बढ़ोतरी : रिपोर्ट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के तेजी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम से सूचीबद्ध कंपनियों का मूल्यांकन अगले दो से तीन वर्षों में 50-100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। इसकी वजह तेजी से बढ़ते एआई स्टार्टअप का स्टॉक मार्केट में कदम रखना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

गोल्डमैन सैश की एक रिपोर्ट के

मुताबिक कि भारत में लगभग 70 मिड-टू-लेट-स्टेज निजी एआई कंपनियों में से 25 से 50 प्रतिशत कंपनियां आने वाले समय में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) ला सकती हैं। इन कंपनियों की लिस्टिंग उनके मौजूदा अनुमानित मूल्य से औसतन लगभग चार गुना अधिक वैल्यूएशन पर हो

सकती है।

गोल्डमैन सैक्स में एशिया मैक्रो रिसर्च के सह-प्रमुख और एशिया-प्रशांत इक्विटी रणनीतिकार, टिमोथी मो ने कहा, 'इन लिस्टिंग से भारत में एआई से जुड़ी सूचीबद्ध कंपनियों का दायरा बढ़ सकता है, जिससे एआई वैल्यू चेन के कई ऐसे हिस्से भी पब्लिक मार्केट में आ सकते हैं, जिनका प्रतिनिधित्व अभी तक कम

रहा है।

2024 के बाद से भारतीय एआई स्टार्टअप के लिए प्राइवेट इक्विटी फंडिंग तीन गुना हो गई है। साथ ही, कुल प्राइवेट इक्विटी निवेश में एआई का हिस्सा चार गुना बढ़कर देश में लगाई गई कुल प्राइवेट पूंजी का लगभग पांचवां हिस्सा हो गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत अब प्राइवेट एआई फंडिंग के

मामले में दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल है, और नई फंडिंग पाने वाली एआई कंपनियों के लिहाज से शीर्ष चार देशों में आता है। इसमें 84 प्राइवेट कंपनियों को 'प्राइवेट एआई कंटेडर्स' के रूप में पहचाना गया है, जिनकी कुल अनुमानित वैल्यू 55 अरब डॉलर है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 के बाद से भारत में एआई से जुड़ी कुल प्राइवेट फंडिंग का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं कंपनियों को मिला है। ये कंपनियां एआई वैल्यू चेन के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी हैं।

सबसे बड़ा अवसर 'अस्पर्ट्रीम एआई इनेबलर्स' (एआई को संभव बनाने वाले शुरुआती चरण के क्षेत्र) में है, जिसकी वैल्यू रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 35 अरब डॉलर आंकी गई है।

इस सेगमेंट में वे कंपनियां शामिल हैं जो पावर जनरेशन और ट्रांसमिशन, सेमीकंडक्टर सप्लाय चेन, चिप डिजाइन, क्वांटम कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर, क्लाउड सर्विस और डेटा मैनेजमेंट के क्षेत्रों में काम करती हैं। गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि भविष्य में एआई से जुड़ी कंपनियों की लिस्टिंग की कुल संभावित वैल्यू में से लगभग दो-तिहाई या 66 प्रतिशत हिस्सा 'अस्पर्ट्रीम एआई इनेबलर्स' का हो सकता है।

सिर्फ स्वाद ही नहीं, सेहत भी संवारता है आयोडीनयुक्त नमक, जानिए इसके फायदे



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हमारे रोजमर्रा के खाने में नमक की अहम भूमिका होती है। दाल हो, सब्जी हो या सलाद, बिना नमक के खाने का स्वाद अधूरा लगता है। क्या आप जानते हैं कि नमक का चुनाव आपकी सेहत पर भी बड़ा असर डाल सकता है? खासकर आयोडीनयुक्त नमक का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। हर साल 21 अक्टूबर को विश्व आयोडीन अल्पता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को शरीर में आयोडीन की जरूरत और इसकी कमी से होने वाली परेशानियों के प्रति जागरूक करना है।

विश्व आयोडीन अल्पता दिवस

पर आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयोडीन एक जरूरी पोषक तत्व है जिसकी मदद से थायरॉइड ग्रंथि सही तरीके से काम करती है। यह ग्रंथि ऐसे हार्मोन बनाती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी भोजन से ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, आयोडीन बच्चों के मस्तिष्क के विकास, सीखने-समझने की क्षमता और सामान्य शारीरिक विकास के लिए भी जरूरी है।

खासकर गर्भावस्था के दौरान आयोडीन की पर्याप्त मात्रा बेहद महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इस समय बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का विकास हो रहा होता है। इसलिए

हर उम्र के व्यक्ति के लिए आयोडीन की जरूरत को समझना जरूरी है।

शरीर में लंबे समय तक आयोडीन की कमी रहने पर कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी कमी से थायरॉइड ग्रंथि बढ़ सकती है, जिसे घेंघा रोग कहा जाता है। बच्चों में आयोडीन की कमी मस्तिष्क के विकास को प्रभावित कर सकती है। इससे सीखने और समझने में परेशानी होने के साथ-साथ शारीरिक विकास भी प्रभावित हो सकता है।

वहीं, गर्भावस्था में आयोडीन की गंभीर कमी होने पर गर्भ में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में आयोडीन की कमी को हल्के में लेना सही नहीं है। आयोडीन की कमी से बचने का एक आसान तरीका है रोजाना खाने में आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल करना। यह शरीर में आयोडीन की जरूरत पूरी करने में मदद करता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नमक ज्यादा खाया जाए। अधिक नमक खाने से उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए नमक का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करना चाहिए।

आयुष मंत्रालय की मांनें तो दूध और दही, दालें, कुछ हरी सब्जियां, आलू और बीज जैसे तिल, कद्दू के बीज और सूजमुखी के बीज में भी कुछ मात्रा में आयोडीन पाया जाता है।

घंटों बैठकर काम करने से होती है कमर में अकड़न? रोज 5 मिनट करें हस्तोत्तानासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, घंटों बैठकर काम करना और गलत खानपान की वजह से शरीर में अकड़न, मोटापा और तनाव आम हो गया है। ऐसे में योग ऐसा उपाय है, जो शरीर को स्वस्थ और मन को शांत रखता है। योग के कई आसनों में से एक है हस्तोत्तानासन। इसे रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने और शरीर को ऊर्जा देने के लिए किया जाता है।

हस्तोत्तानासन में 'हस्त' का अर्थ है हाथ और 'उत्तान' का अर्थ है ऊपर की ओर खिंचाव। यह महत्वपूर्ण योग मुद्रा है, जिसका अर्थ है हाथों को ऊपर की ओर तानना। यह सूर्य नमस्कार की श्रृंखला का दूसरा और ग्यारहवां चरण है।



भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी 'हस्तोत्तानासन' के महत्व पर प्रकाश डाला है। यह आसन शरीर में लचीलापन लाने, रक्त संचार बढ़ाने और थकान कम करने वाला एक उत्कृष्ट योगासन

है। इस योगासन के करने से शरीर पीछे की ओर झुकता है जिससे रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है और कमर दर्द जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। साथ ही, पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आने से

पाचन तंत्र सक्रिय होता है और पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

इसे रोज सुबह करने से न सिर्फ शरीर लचीला बनता है बल्कि लंबाई बढ़ने, वजन घटने और थकान दूर करने में भी बहुत मदद मिलती है। जब हम घंटों एक ही जगह बैठे रहते हैं तो शरीर में खून का प्रवाह धीमा हो जाता है, जिससे सुस्ती और थकान महसूस होती है। हस्तोत्तानासन में जब हम हाथों को ऊपर की ओर खींचते हैं और गहरी सांस लेते हैं, तो फेफड़ों में ज्यादा ऑक्सीजन जाती है। इससे खून का संचार तेज होता है और पूरे शरीर में तुरंत ऊर्जा और स्फूर्ति आ जाती है। इसे करने से नींद और आलस भी दूर होता है।

रात को नींद नहीं आती? रोज करें मकरासन, अनिद्रा और चिंता से मिलेगा छुटकारा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग बहुत जरूरी हो गया है। यह हमें तनाव से राहत देता है और सेहतमंद बनाता है। योग के कई आसनों में से एक आसन है मकरासन। ये सिर्फ एक आरामदायक मुद्रा नहीं, बल्कि तनाव, थकान और कमर दर्द से राहत पाने का एक बेहतरीन उपाय है।

'मकरासन' संस्कृत का शब्द है, जो 'मकर' और 'आसन' इन दो शब्दों से मिलकर बना है। यहाँ 'मकर' का अर्थ मगरमच्छ और 'आसन' का अर्थ मुद्रा से है। इस आसन को करने से पीठ और कमर का दर्द कम होता है और शरीर को आराम मिलता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, मकरासन करने से शरीर की मांसपेशियों को आराम मिलता है। खासतौर से यह पीठ, कमर और कंधों की जकड़न को दूर करता है। यह श्वसन प्रणाली के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

शाली से पहले या शाली के बाद निराश व्यक्ति अवश्य मिले

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

जब कभी न हो फायदा तो एक बार जरूर मिले

छत्तीसगढ़ के नं.01 सेक्सोलॉजिस्ट

DR. AKSAGAR BHUMS, CVD(MD)-REG. CGS03MS

From Raipur

Dr. A. Sagar

धातू रोग शुक्राणु की कमी शिप्रपतन खज्जदोष निःसंतान

मेन ब्रांच : सालेम स्कूल के सामने, मोतीबाग चौक रायपुर (छ.ग.)

BEST AYURVEDIC CHIKITSAK AWARD 2023

8109126351 9425257615

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, वाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बेटरी खेपेर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:

वीनस मशीनरी

विश्वकत बटल (अपरेटर)

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST ITR फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट

• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: **शेखर गुप्ता** RIFCO Tax Consultants

C-74, सेक्टर- 1, जुवेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं **9300755544, 8878655544**

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara, Raipur.

83700 09993

:H.O.: Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS: Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

DR. PRAJWAL SONI Mo. 9827189170 9200668168

M.B.B.S., M.D. Obstetrics & Gynaecologist colposcopist Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 911677722

Amapara, Pitalband Road, Rajim, Garivaband (C.G.) 7509007388

drprajwalsoni@gmail.com

